

अनुलग्नक-6

मार्गदर्शन नोट- निवेशकों के लिए एक्सचेंज (एक्सचेंजों) पर ट्रेडिंग करने के लिए योग्य और नहीं करने योग्य बातें

आपके द्वारा ट्रेडिंग शुरू करने से पहले
1. सुनिश्चित करें कि आप केवल SEBI में पंजीकृत बिचौलियों के साथ और उनके माध्यम से सौदे करते हैं। आप स्टॉक एक्सचेंज www.exchange.com और SEBI की वेबसाइट www.sebi.gov.in पर उपलब्ध सूची से उनके SEBI पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या की जाँच कर सकते हैं। 2. सुनिश्चित करें कि आपने KYC फॉर्म को पूरी तरह भरा है और KYC फॉर्म में खाली स्थानों को काट दिया है। 3. सुनिश्चित करें कि आपने सभी अनिवार्य दस्तावेजों अर्थात् स्टॉक ब्रोकर के अधिकार एवं दायित्व, जोखिम प्रकटीकरण दस्तावेज़, नीति एवं प्रक्रिया दस्तावेज को पढ़ लिया है। 4. सुनिश्चित करें कि आपने अपने और स्टॉक ब्रोकर के बीच सहमत स्वैच्छिक खंडों/उपबंधों, यदि कोई हो, को पढ़, समझ लिया है एवं उसके बाद हस्ताक्षर कर दिए हैं। ध्यान दें कि आपके और स्टॉक ब्रोकर के बीच हुई सहमति के अनुसार खंडों/उपबंधों को आपकी सहमति के बिना बदला नहीं जा सकता है। 5. ट्रेडिंग के लिए आप पर ब्रोकर द्वारा लगाए गए सभी ब्रोकरेज, कमीशन, शुल्क एवं अन्य प्रभारों और SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्दिष्ट प्रासंगिक प्रावधानों/दिशानिर्देशों के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करें। 6. स्टॉक ब्रोकर से आप द्वारा निष्पादित सभी दस्तावेजों की एक प्रति निःशुल्क प्राप्त करें। 7. यदि आप अपने बैंक और डीमैट खाते को संचालित करने के लिए, स्टॉक ब्रोकर को अधिकृत करते हुए उसके पक्ष में पॉवर ऑफ़ अटॉर्नी/मुख्तारनामा (POA) निष्पादित करने की इच्छा रखते हैं तो कृपया इस संबंध में SEBI/एक्सचेंजों द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश देखें।
लेनदेन एवं निपटान
8. स्टॉक ब्रोकर इलेक्ट्रॉनिक कंट्रैक्ट नोट (ECN) जारी कर सकता है यदि विशेष रूप से लिखित में आपके द्वारा अधिकृत किया गया हो। इसके लिए आपको स्टॉक ब्रोकर को अपनी ईमेल आईडी बतानी होगी। यदि आप कंप्यूटर की जानकारी नहीं रखते हैं तो ECN का चयन करें। 9. किसी को भी अपने इंटरनेट ट्रेडिंग खाते का पासवर्ड न बताएं। 10. स्टॉक ब्रोकर को कोई नकद भुगतान न करें। 11. स्टॉक ब्रोकर के पक्ष में आदाता खाता (अकाउंट पेयी) चेक द्वारा भुगतान करें। सब-ब्रोकर के नामे चेक जारी न करें। सुनिश्चित करें कि आपके पास तिथि, स्क्रिप, मात्रा, किस बैंक/डीमैट खाते में या किस बैंक/डीमैट खाते से इस धन या प्रतिभूतियों को जमा किया जाता है, का उल्लेख करते हुए स्टॉक ब्रोकर के साथ आपके भुगतान/प्रतिभूतियों के जमा का दस्तावेजीकृत साक्ष्य हो। 12. ध्यान दें कि ट्रेड सत्यापन की सुविधा स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों पर उपलब्ध है, जहाँ कंट्रैक्ट नोट में उल्लिखित ट्रेड के विवरणों को सत्यापित किया जा सकता है। जहां वेबसाइट पर दिए गए ट्रेड विवरण कंट्रैक्ट नोट में उल्लिखित विवरणों के साथ मेल नहीं खाते हैं तो तुरंत संबंधित स्टॉक एक्सचेंज के निवेशक शिकायत प्रकोष्ठ से सम्पर्क करें। 13. यदि आपने खाते का संचालन करने, धन का भुगतान करने या प्रतिभूतियों की डिलीवरी करने (मामले के अनुसार) के लिए विशेष अधिकार दिए हैं, तो आपको एक्सचेंज से भुगतान की रसीद प्राप्त होने से एक कार्यदिवस के भीतर उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। इस प्रकार, स्टॉक ब्रोकर आपके लिए निम्नलिखित स्थितियों के विषयाधीन खाते का संचालन करेगा: क) आपके द्वारा दिया गया ऐसा प्राधिकार, केवल आपके द्वारा हस्ताक्षरित होगा और इसमें वह खंड/उपबंध शामिल होगा जिसे आप किसी भी समय रद्द कर सकते हैं। ख) निधियों एवं प्रतिभूतियों का वास्तविक निपटान, आपकी प्राथमिकता के आधार पर, एक कैलेंडर तिमाही या माह में कम से कम एक बार स्टॉक ब्रोकर द्वारा किया जाएगा। खाते का निपटान करते समय, स्टॉक ब्रोकर आपको निधियों के ग्राहक लेजर

से सारांश एवं निधियों एवं प्रतिभूतियों की सभी प्राप्तियों/डिलीवरी को प्रदर्शित करने वाले प्रतिभूतियों के रजिस्टर से सारांश को शामिल करते हुए 'खाता विवरण' भेजेगा। इस विवरण में निधियों और प्रतिभूतियों के अवधारण एवं गिरवी रखे गये शेयरों के विवरणों का उल्लेख होगा। ग) निपटान की तिथि पर, स्टॉक ब्रोकर बकाया देनदारियों की दिशा में अपेक्षित प्रतिभूतियों/निधियों को बनाए रख सकता है और एक्सचेंजों द्वारा निर्दिष्ट तरीके से गणना करते हुए अगले 5 ट्रेडिंग दिनों के लिए डेरिवेटिव मार्जिन देनदारियों को पूरा करने के लिए आवश्यक निधियाँ भी रख सकता है। नकदी बाजार में लेनदेन के संबंध में, स्टॉक ब्रोकर निपटान की तिथि पर और अगले दिन के कारोबार के लिए ग्राहकों के पास शेष धन एवं प्रतिभूतियों की देनदारियों का पूर्ण भुगतान रख सकता है, वह नकदी बाजार में इस तरह के निपटान के दिन किए गए लेनदेनों के मूल्य की सीमा तक निधियाँ/प्रतिभूतियाँ मार्जिन बनाए रख सकता है। घ) मामले के अनुसार, आपको निधियों/प्रतिभूतियों या विवरण की प्राप्ति की तिथि से अधिमानतः 7 (सात) कार्य दिवसों के भीतर खाते या निपटान के विवरण से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के बारे में लिखित में स्टॉक ब्रोकर के संज्ञान में लाने की आवश्यकता होती है। विवाद की स्थिति में, बिना कोई देरी किए प्रासंगिक स्टॉक एक्सचेंजों के निवेशक शिकायत प्रकोष्ठ को मामले से लिखित रूप में सूचित करें। 14. यदि आपने खाते को संचालित करने के विकल्प का चयन नहीं किया है और धन/प्रतिभूतियों का भुगतान एक्सचेंजों से भुगतान प्राप्त होने के अगले कार्य दिवस में प्राप्त नहीं हुआ है, तो मामले के बारे में स्टॉक ब्रोकर से संपर्क करें। किसी भी विवाद के मामले में, सुनिश्चित करें कि आपने संबंधित स्टॉक एक्सचेंज के निवेशक शिकायत प्रकोष्ठ में लिखित रूप में तुरंत शिकायत दर्ज की है। 15. स्टॉक एक्सचेंजों से दिन के कारोबार के अंत में, SMS या ईमेल के माध्यम से ट्रेड पुष्टिकरण चेतावनी/लेनदेनों का विवरण प्राप्त करने के लिए, कृपया स्टॉक ब्रोकर के पास अपना मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी पंजीकृत कराएं।	ट्रेडिंग सदस्यता की समाप्ति के मामले में 16. यदि एक स्टॉक ब्रोकर अपनी सदस्यता का समर्पण कर देता है, उसे सदस्यता से निष्कासित कर दिया जाता है या चूककर्ता (डिफॉल्टर) घोषित कर दिया जाता है; स्टॉक एक्सचेंज निवेशकों से केवल स्टॉक एक्सचेंजों के "ट्रेडिंग सिस्टम पर निष्पादित लेनदेनों से संबंधित" दावों को आमंत्रित करते हुए एक सार्वजनिक सूचना जारी करता है। सुनिश्चित करें कि आपने निर्धारित अवधि के भीतर और समर्थन दस्तावेजों के साथ संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के समक्ष एक दावा दर्ज किया है। 17. स्टॉक ब्रोकर के साथ जमा धन और/या प्रतिभूतियों के अनुसार सुरक्षा के बारे में जानें, विशेष रूप से एक डिफॉल्ट (चूक) या स्टॉक ब्रोकर के दिवालिया होने की स्थिति में, और उस हद तक, जहाँ तक आप ऐसे धन और/या प्रतिभूतियों की वसूली कर सकते हैं, उस संबंधित स्टॉक एक्सचेंज के उप-नियमों एवं विनियमों द्वारा शासित हो सकता है जहाँ ट्रेड निष्पादित किया गया था और जहाँ समय-समय पर प्रभावी निवेशक संरक्षण कोष की योजना लागू होती है। विवाद/शिकायतें 18. कृपया ध्यान दें कि मध्यस्थता की कार्यवाहियों, स्टॉक ब्रोकरों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई और स्टॉक ब्रोकरों के खिलाफ निवेशकों की शिकायतों के विवरण संबंधित स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाते हैं। 19. यदि आपके मुद्दे/समस्या/शिकायत का निदान संबंधित स्टॉक ब्रोकर/सब-ब्रोकर द्वारा नहीं किया जाता है तो आप इस मामले को संबंधित स्टॉक एक्सचेंज के समक्ष ले जा सकते हैं। यदि आप अपनी शिकायत के निवारण से संतुष्ट नहीं हैं तो आप इस मामले को आगे SEBI के समक्ष ले जा सकते हैं। 20. ध्यान दें कि SEBI द्वारा सभी स्टॉक ब्रोकर/सब-ब्रोकरों के लिए विशेष रूप से शिकायत दर्ज करने के उद्देश्य से शिकायत निवारण प्रभाग/अनुपालन अधिकारी की ईमेल आईडी का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है।
---	---

जोडपत्र - 6

मार्गदर्शन टिपण - गुंतवणूकदारांसाठी एक्सचेंज(जेस)वर ट्रेडिंग करताना काय करावे आणि काय करू नये ह्याकरिता सूचना

ट्रेडिंग सुरू करण्यापूर्वी
1. तुम्ही फक्त SEBI नोंदणीकृत मध्यस्थांशी आणि मध्यस्थांमार्फत व्यवहार करण्याची खात्री करा. स्टॉक एक्सचेंजेस www.exchange.com आणि SEBI वेबसाईट www.sebi.gov.in वर उपलब्ध यादीतून तुम्ही SEBI नोंदणी प्रमाणपत्र क्रमांक तपासून घेऊ शकता. 2. KYC प्रपत्र पूर्ण भरण्याची आणि KYC प्रपत्रातील कोरी फील्ड्स (रकाने) खोडण्याची खात्री करा. 3. तुम्ही सर्व अनिवार्य प्रपत्रे वाचल्याची खात्री करा, उदाहरणार्थ, हक्क आणि जबाबदाऱ्या, जोखीम प्रकटन प्रपत्र, स्टोक ब्रोकरचे धोरण आणि कार्यपद्धती प्रपत्र. 4. तुमच्यामध्ये आणि स्टॉक ब्रोकरमध्ये मान्य झालेली काही ऐच्छिक कलमे असल्यास ती वाचून समजून घेण्याची खात्री करा आणि मगच त्यावर सही करा. ध्यानात घ्या की तुमच्यामध्ये आणि स्टॉक ब्रोकरमध्ये मान्य झालेली कलमे तुमच्या संमतीशिवाय बदलता येणार नाहीत. 5. ट्रेडिंगसाठी तुम्हाला ब्रोकरने आकारलेले सर्व ब्रोकरेज (दलाली), कमिशनस, शुल्के आणि इतर आकारण्यांबाबत आणि SEBIने/ स्टॉक एक्सचेंजेसने निर्दिष्ट केलेल्या संबंधित तरतुदींबाबत/मार्गदर्शक सूचनांबाबत स्पष्ट कल्पना असू द्या. 6. तुम्ही निष्पादित केलेल्या दस्तऐवजांची प्रत स्टॉक ब्रोकरकडून विनामूल्य मिळवा. 7. जर तुम्हाला तुमचा बँक आणि डिमॅट अकाऊंट संचालित करण्यासाठी स्टॉक ब्रोकरच्या नावे मुखत्यारपत्र (POA) निष्पादित करायचे असेल तर कृपया ह्या संदर्भात SEBIने/एक्सचेंजेसने निर्गमित केलेल्या मार्गदर्शक सूचना पहा.
व्यवहार आणि व्यवहारपूर्ति
8. तुम्ही लिखित स्वरूपात प्राधिकृत केल्यास स्टॉक ब्रोकर इलेक्ट्रॉनिक कॉट्रॅक्ट नोट्स (ECN) निर्गमित करू शकेल. त्यासाठी तुम्ही तुमचा ईमेल आयडी स्टॉक ब्रोकरला द्यायला हवा. जर तुम्हाला संगणकाची माहिती नसेल तर तुम्ही ECN पर्याय स्वीकारू नये. 9. तुमच्या इंटरनेट ट्रेडिंग अकाऊंटचा पासवर्ड कोणाशीही शेअर करू नका. 10. कुठल्याही स्टॉक ब्रोकरला रोख रक्कम देऊ नका. 11. स्टॉक ब्रोकरच्या नावाने अकाऊंट पेयी धनादेश काढा. सब-ब्रोकरच्या नावाने चेक देऊ नका. तुम्ही स्टॉक ब्रोकरला दिलेल्या रकमेचा/रोख्यांच्या जमेचा तुमच्याकडे कागदोपत्री पुरावा असल्याची खात्री करून घ्या, ज्यामध्ये दिनांक, स्क्रिप, संख्या, कुठल्या बँक/डिमॅट खात्याच्या नावे रक्कम किंवा रोख्यांची जमा केलेली आहे आणि कुठल्या बँक/डिमॅट खात्यामधून, हा तपशील असेल. 12. व्यवहार पडताळणीची सोय स्टॉक एक्सचेंजेसच्या वेबसाईट्सवर उपलब्ध आहे, जिथे करारपत्रात दिल्यानुसार व्यवहारातील तपशीलांची पडताळणी होऊ शकेल. जर वेबसाईटवर दिलेले व्यवहाराचे तपशील करारपत्रातील तपशीलांशी जुळत नसतील, तर ताबडतोब संबंधित स्टॉक एक्सचेंजच्या गुंतवणूकदार गाऱ्हाणी केंद्राशी संबंध साधा. 13. तुम्ही चल खाते (रनिंग अकाऊंट) राखण्याचा विशेष प्राधिकार दिला असल्यास, एक्सचेंजमधून पेआउट मिळाल्यानंतर एका कार्य दिवसात तुमच्यापर्यंत निधी किंवा रोखे (जे काही असेल ते) कदाचित पोचणार नाहीत. म्हणून, पुढील अटींची पूर्तता होत असल्यास, स्टॉक ब्रोकर तुमच्यासाठी रनिंग अकाऊंट राखेल : अ) तुम्ही दिलेल्या अशा प्राधिकारावर फक्त तुम्हीच सही करून तो दिनांकित कराल आणि तुम्ही तो कधीही मागे घेऊ शकता असे कलम त्यामध्ये असेल. ब) निधी आणि रोखे यांची प्रत्यक्ष व्यवहारपूर्ति स्टॉक ब्रोकर तुमच्या पसंतीनुसार किमान तिमाहीतून किंवा महिन्यातून एकदा करेल. खात्याचे व्यवहार पूर्ण करताना, स्टॉक ब्रोकर तुम्हाला खात्यांचे विवरण पाठवील ज्यात पैशासंबंधी ग्राहकाच्या खातेवहीतील उतारा आणि पैसे/रोखे प्राप्त/पोहोचते केल्याच्या नोंदी असतील. ह्या विवरणात निधी किंवा रोखे ठेवून घेतले असल्यास आणि तारण ठेवलेल्या शेअर्सचा तपशीलही असेल. क) व्यवहारपूर्तीच्या दिवशी, थकित दायित्वापोटी आवश्यक रोखे/निधी ठेवून घेईल आणि संभवतः पुढील 5 दिवसांमध्ये डेरिवेटिव मार्जिन दायित्व पूर्ण करण्यासाठी अपेक्षित निधीही ठेवून घेईल, ज्याचा हिशेब एक्सचेंजेसने निर्दिष्ट केलेल्या रीतीने केलेला असेल. रोखीच्या व्यवहारांबाबत स्टॉक ब्रोकर व्यवहारपूर्ति दिनांकास ग्राहकांकडून येणे असलेल्या संपूर्ण पे-इन दायित्वासाठी निधी आणि रोखे राखून ठेवण्याची शक्यता आहे आणि पुढच्या दिवसासाठी आवश्यक असलेल्या व्यापारासाठी तो निधी/ रोखे/ मार्जिन राखून ठेवील अशी शक्यता असते, ज्याचे मूल्य रोख बाजारात अशा व्यवहारपूर्ती दिवशी केलेल्या देवघेवीच्या मूल्याइतके असेल.

ड) खातेवहीतील उतारा किंवा व्यवहारपूर्तीमध्ये काही वाद असल्यास तो तुम्ही लिखित स्वरूपात, असे निधी/रोखे किंवा विवरण जे काही असेल ते मिळाल्याच्या दिनांकापासून शक्यतो कामकाजाच्या 7 (सात) दिवसांच्या आत स्टॉक ब्रोकरच्या नजरेस आणून देणे गरजेचे असते. वाद झाल्यास हे प्रकरण संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेसच्या गुंतवणूकदार तक्रार कक्षाला लेखी सादर करावे. 14. जर तुम्ही चल खाते राखण्याचा पर्याय स्वीकारलेला नसेल, आणि एक्सचेंजेसमधून पेआऊट मिळण्याच्या दुसऱ्या दिवशी तुम्हाला निधीचा/रोख्यांचा पे-आऊट मिळाला नाही तर ही बाब स्टॉक ब्रोकरच्या निदर्शनास आणा. जर काही वाद असेल तर संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेसच्या गुंतवणूकदार तक्रार कक्षाकडे ताबडतोब लेखी तक्रार देण्याची खात्री करा. 15. ट्रेडिंगच्या प्रत्येक दिवसाच्या अखेरीस स्टॉक एक्सचेंजेसकडून एसएमएस किंवा ईमेलद्वारा ट्रेडिंगचे अलर्ट्स/व्यवहारांचे तपशील मिळविण्यासाठी तुमच्या स्टॉक ब्रोकरकडे कृपया तुमचा मोबाईल क्रमांक आणि ईमेल आयडी नोंदवा.
ट्रेडिंग सदस्यत्व खंडित झाल्यास
16. जर एखाद्या स्टॉक ब्रोकरने त्याचे सदस्यत्व प्रत्यार्पित केले, त्याला सदस्यत्वातून निर्यापित करण्यात आले किंवा तो कसूरदार म्हणून घोषित झाल्यास स्टॉक एक्सचेंज एक जाहीर सूचना देते आणि त्याद्वारे फक्त त्या स्टॉक एक्सचेंजच्या "ट्रेडिंग प्रणालीवर निष्पादित व्यवहारांशी" संबंधित दावे गुंतवणूकदारांकडून मागविते. संबंधित स्टॉक एक्सचेंजकडे निर्दिष्ट कालावधीत समर्थनार्थ कागदपत्रांसह दावा सादर करण्याची खात्री करा. 17. तुम्ही स्टॉक ब्रोकरकडे जमा केलेल्या पैशाला/ रोख्यांना किती संरक्षण आहे हे जाणून घ्या, विशेषतः जर तुमच्या स्टॉक ब्रोकरने कसूर केली किंवा त्याच्या दिवाळखोरीची किंवा नादारीची वेळ आली तर तुम्हाला किती प्रमाणात असे पैसे/ रोखे वसूल करता येतील हे जेथे ट्रेडिंग झाले आहे त्या संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेसच्या उपविधीवर आणि नियमावलीवर तसेच वेळोवेळी अंमलात असलेल्या गुंतवणूकदार संरक्षण निधी योजनेवर अवलंबून असू शकते.
वाद/ तक्रारी
18. कृपया ध्यानात घ्या की लवाद कामकाज, ब्रोकर्सच्या विरुद्ध दंडात्मक कारवाई आणि स्टॉक ब्रोकर्सविरुद्ध गुंतवणूकदारांच्या तक्रारी संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेसच्या वेबसाईट्सवर प्रदर्शित केलेल्या असतात. 19. संबंधित स्टॉक ब्रोकर / सब-ब्रोकर तुमच्या प्रश्नाची/ समस्येची/ तक्रारीची सोडवणूक करीत नसेल तर तुम्ही ते प्रकरण संबंधित स्टॉक एक्सचेंजकडे नेऊ शकता. जर तुमच्या तक्रारीच्या निवारणाबाबत तुम्ही समाधानी नसाल तर तुम्ही ते प्रकरण वरपर्यंत म्हणजे SEBIकडे नेऊ शकता. 20. कृपया ह्याची नोंद घ्या की सर्व स्टॉक ब्रोकरसाठी/ सब-ब्रोकरसाठी SEBIने तक्रारनिवारण विभागाचा/ अनुपालन अधिकाऱ्याचा ई-मेल आयडी तक्रारी नोंदविण्याच्या खास हेतूसाठी निश्चित करणे अनिवार्य केले आहे.

अनुलग्नक-5

पूंजी बाजार एवं डेरिवेटिव सेगमेंट (संवर्ग) के लिए जोखिम प्रकटीकरण दस्तावेज

इस दस्तावेज में स्टॉक एक्सचेंजों के इक्विटी/डेरिवेटिव सेगमेंटों में ट्रेडिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। सभी संभावित घटकों/ग्राहकों को एक्सचेंजों में इक्विटी/डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग करने से पहले इस दस्तावेज का अध्ययन करना चाहिए।

स्टॉक एक्सचेंज/SEBI न तो अकेले और न ही संयुक्त रूप से तथा न तो स्पष्ट रूप से और न ही अंतर्निहित रूप में, इस प्रकटीकरण दस्तावेज की पूर्णता, पर्याप्तता या सटीकता की गारंटी देता है और न ही स्टॉक एक्सचेंज/SEBI ट्रेडिंग सेगमेंटों में भाग लेने के किसी भी गुण का अनुमोदन करते हैं या पारित करते हैं। यह संक्षिप्त विवरण ट्रेडिंग के सभी जोखिमों एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रकटीकरण नहीं करता है।

निहित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, आपको केवल तभी लेनदेन करना चाहिए जब आप उस संबंध की प्रकृति और अपने जोखिम की हद को समझते हों जिसमें आप प्रवेश कर रहे हों।

आपको जानना चाहिए और पहचानना चाहिए कि इक्विटी शेयरों, डेरिवेटिव कांट्रैक्ट या स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किए जाने वाले अन्य विलेखों (इंस्ट्रुमेंट्स) में ट्रेडिंग, जिनमें विभिन्न मात्राओं में जोखिम शामिल होते हैं, आम तौर पर सीमित संसाधनों/सीमित निवेश और/या ट्रेडिंग अनुभव और कम जोखिम सहनशीलता वाले किसी व्यक्ति के लिए उपयुक्त स्थल नहीं है। इसलिए आपको अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए कि ऐसी ट्रेडिंग आपके लिए उपयुक्त है या नहीं। यदि आप शेयर बाजारों में ट्रेड करते हैं और प्रतिकूल परिणाम या नुकसान उठाते हैं, तो आप उस के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे और स्टॉक एक्सचेंज/इसका समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कॉर्पोरेशन) और/SEBI, किसी भी तरीके से इसके लिए जिम्मेदार नहीं होंगे और आपके पास यह दलील देने का विकल्प नहीं होगा कि आपको शामिल जोखिम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी या यह कि आपको संबंधित स्टॉक ब्रोकर द्वारा निहित पूर्ण जोखिम के बारे में नहीं बताया गया था। घटक/ग्राहक परिणामों के लिए पूर्णतया जिम्मेदार होंगे और उस आधार पर किसी भी कांट्रैक्ट को रद्द नहीं किया जा सकता है। आपको अभिज्ञापित और स्वीकृति देनी चाहिए कि स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेड किए जाने वाले किसी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की खरीद और/या बिक्री के आदेश निष्पादित करते समय लाभों की कोई गारंटी नहीं हो सकती है और/या हानियों का कोई अपवाद नहीं हो सकता है।

आपको यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए कि एक स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंजों पर आपकी डीलिंग (लेनदेन), स्टॉक ब्रोकर द्वारा निर्धारित कुछ औपचारिकताओं को पूर्ण करने के विषयाधीन होगी जिसमें अन्य चीजों के साथ साथ अपने ग्राहक को जानें फार्म को भरना, अधिकारों एवं दायित्वों का पढ़ना, क्या करें और क्या न करें, आदि शामिल हो सकते हैं, और संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों, इनके समाशोधन निगमों के नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों, और SEBI द्वारा निर्धारित समय समय पर जारी दिशानिर्देशों एवं स्टॉक एक्सचेंजों या इनके समाशोधन निगम द्वारा समय समय पर जारी परिपत्रों के विषयाधीन हैं।

स्टॉक एक्सचेंज कोई भी सलाह प्रदान नहीं करते हैं या सलाह देने की इच्छा नहीं रखते हैं और किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए जवाबदेह नहीं होंगे जो स्टॉक एक्सचेंजों के स्टॉक ब्रोकर और/या इस दस्तावेज में शामिल किसी भी जानकारी के आधार पर किसी भी तृतीय पक्ष के साथ किसी भी व्यावसायिक संबंध स्थापित करता है। इस दस्तावेज में शामिल किसी भी जानकारी को व्यावसायिक सलाह के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। इस तरह की ट्रेडिंग में शामिल जोखिमों को बिना पूर्ण-रूपेण समझे और बिना समीक्षा किए, ट्रेड करने के लिए कोई भी विचार नहीं बनाया जाना चाहिए। यदि आप निश्चित नहीं हैं, तो आपको उस बारे में पेशेवर सलाह लेनी चाहिए।

यह विचार करने के लिए कि ट्रेड किया जाए या नहीं या किसी को अपनी ओर से ट्रेड करने के लिए अधिकृत किया जाए या नहीं, आपको निम्नलिखित के बारे में जानकारी होनी चाहिए या इनसे परिचित होना चाहिए:-

1. मूलभूत जोखिम:

1.1 उच्च अस्थिरता का जोखिम:

अस्थिरता का तात्पर्य उस कीमत में गतिशील परिवर्तन से है जिस पर एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट किया जाता है जब ट्रेडिंग गतिविधियां स्टॉक एक्सचेंजों में जारी रहती हैं। सामान्यतः एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की अस्थिरता जितनी उच्च होती है उसके मूल्य में परिवर्तन भी उतना ही अधिक होता है। सक्रिय प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की तुलना में कम ट्रेड की जाने वाली प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स में सामान्यतः अधिक अस्थिरता हो सकती है। अस्थिरता के परिणाम के रूप में, आपके आदेश केवल आंशिक रूप से निष्पादित किए जा सकते हैं या बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किए जा सकते हैं, या वह कीमत जिस पर आपके आदेश निष्पादित किए जाते हैं, अंतिम ट्रेडेड कीमत से थोड़ी भिन्न हो सकती है या लगातार बदल सकती है जिसके परिणामस्वरूप कल्पित या वास्तविक नुकसान हो सकता है।

1.2 निम्नतर तरलता (लोअर लिक्विडिटी) का जोखिम:

तरलता एक प्रतिस्पर्धी कीमत पर और न्यूनतम कीमत अंतर के साथ तेजी से प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की खरीद और/या बिक्री के लिए बाजार सहभागियों की क्षमता को दर्शाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक बाजार में उपलब्ध आदेशों की संख्या जितनी अधिक होती है, तरलता उतनी ही अधिक होती है। तरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक तरलता के साथ, निवेशकों के लिए तेजी से और न्यूनतम कीमत अंतर के साथ प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स को खरीदना और/या बेचना आसान हो जाता है, और परिणामस्वरूप, निवेशकों द्वारा खरीदी या बेची गई प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव के लिए एक प्रतिस्पर्धी कीमत का भुगतान किए जाने या प्राप्त होने की संभावना होती है। सक्रिय प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की तुलना में कुछ प्रतिभूतियों में कम तरलता का खतरा हो सकता है। परिणामस्वरूप, आपका आदेश केवल आंशिक रूप से निष्पादित किया जा सकता है, या अपेक्षाकृत अधिक कीमत अंतर के साथ निष्पादित किया जा सकता है या बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किया जा सकता है।

1.2.1 डे-ट्रेडिंग रणनीति के एक भाग के रूप में प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की खरीद या बिक्री के परिणामस्वरूप भी नुकसान हो सकता है, ऐसी स्थिति में, प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स को अपेक्षित कीमत स्तरों की तुलना में, कम/उच्च कीमतों पर खरीदा/बेचा जा सकता है, इसलिए एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट डिलीवर करने या प्राप्त करने के लिए कोई भी खुली स्थिति या दायित्व न रखें।

1.3 व्यापक स्प्रेड का जोखिम:

स्प्रेड सर्वोत्तम खरीदी कीमत और सर्वोत्तम बिक्री कीमत के बीच के अंतर को दर्शाता है। यह एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट खरीदने और इसके तुरंत बाद बेचने या विपरीत रूप से कीमतों के बीच अंतर को प्रदर्शित करता है। निम्नतर तरलता एवं उच्च अस्थिरता के परिणामस्वरूप कम तरल या गैर-तरल प्रतिभूतियों/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स के लिए सामान्य से अधिक स्प्रेड हो सकता है। यह बदले में बेहतर कीमत की स्थापना में बाधा उत्पन्न करेगा।

1.4 जोखिम को कम करने वाले आदेश:

उन आदेशों (जैसे "स्टॉप लॉस" आदेश, या "लिमिट" आदेश) को रखना जो हानियों को कुछ राशि तक सीमित करने का इरादा रखते हैं, कई बार प्रभावी नहीं हो सकते हैं क्योंकि बाजार की स्थितियों में तेज उतार-चढ़ाव के कारण ऐसे आदेशों को निष्पादित करना संभव नहीं हो सकता है।

1.4.1 एक "बाजार" आदेश की कीमत पर ध्यान दिए बिना विपरीत ओर से आदेशों की उपलब्धता के विषयाधीन तुरंत निष्पादित किया जाएगा और यह कि, जबकि ग्राहक को एक "बाजार" आदेश का त्वरित निष्पादन प्राप्त हो सकता है, निष्पादन बकाया आदेशों की उपलब्ध कीमतों पर हो सकता है जो कीमत समय प्राथमिकता पर आदेश मात्रा को संतुष्ट करते हैं। यह समझा जा सकता है कि ये कीमतें उस प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट में अंतिम ट्रेड किए गए मूल्य या सर्वोत्तम कीमत से काफी भिन्न हो सकती हैं।

1.4.2 एक "लिमिट" आदेश को केवल आदेश के लिए निर्दिष्ट "लिमिट" कीमत या एक बेहतर कीमत पर निष्पादित किया जाएगा। हालांकि, ग्राहक को मूल्य संरक्षण प्राप्त होता है तथापि यह संभावना है कि आदेश को बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किया जा सकता है।

1.4.3 एक स्टॉप लॉस आदेश को सामान्यतः एक स्टॉक/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की वर्तमान कीमत से "अलग" स्थापित किया जाता है, और ऐसे आदेश केवल तभी सक्रिय होते हैं जब प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट स्टॉप कीमत पर पहुंचता है या उसके माध्यम से ट्रेड करता है। बिक्री स्टॉप आदेश साधारणतया वर्तमान कीमत से नीचे प्रविष्ट किए जाते हैं, और खरीद स्टॉप आदेश साधारणतया वर्तमान कीमत से ऊपर प्रविष्ट किए जाते हैं। जब प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट पूर्व निर्धारित कीमत तक पहुंच जाता है, या इस तरह के मूल्य से होकर ट्रेड करता है तो स्टॉप लॉस आदेश एक बाजार/लिमिट आदेश में बदल जाता है और लिमिट पर या बेहतर स्थिति में निष्पादित किया जाता है। इस बात का कोई आश्वासन नहीं है कि लिमिट आदेश निष्पादन योग्य हो जाएगा, चूंकि एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट पूर्व निर्धारित कीमत पर कार्य कर सकती है, ऐसी स्थिति में ऐसे आदेश के निष्पादित न होने का जोखिम सिर्फ एक नियमित लिमिट आदेश के रूप में उत्पन्न होता है।

1.5 समाचार उद्घोषणाओं का जोखिम:

वे समाचार घोषणाएं जो ट्रेडिंग के दौरान स्टॉक/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट के मूल्य को प्रभावित कर सकती हैं, और कम तरलता एवं उच्च अस्थिरता के साथ संयोजित किए जाने पर, अचानक प्रतिभूति/कांट्रैक्ट की कीमत में एक अप्रत्याशित धनात्मक या ऋणात्मक हलचल का कारण बन सकते हैं।

1.6 अफवाहों का जोखिम:

कई बार कंपनियों/मुद्राओं के बारे में शब्दों, समाचार पत्रों, वेबसाइटों या समाचार एजेंसियों आदि के माध्यम से बाजार में अफवाहें फैलने लगती हैं। निवेशकों को इससे सावधान रहना चाहिए और अफवाहों के आधार पर कार्य करने से बचना चाहिए।

1.7 प्रणालीगत जोखिम:

उच्च मात्रा ट्रेडिंग अक्सर बाजार खुलते समय और बाजार बंद होने से पहले घटित होगी। इस तरह की उच्च मात्रा दिन में किसी भी समय पर हो सकती है। इसके फलस्वरूप आदेश निष्पादन या पुष्टिकरण करने में देरी हो सकती है।

1.7.1 अस्थिरता की अवधि के दौरान, लगातार अपने आदेश की मात्रा या कीमतों को संशोधित करने या नया आदेश स्थापित करने वाले बाजार भागीदारों की वजह से, आदेश निष्पादन एवं इसके पुष्टिकरण में देरी हो सकती है।

1.7.2 कुछ निश्चित बाजार परिस्थितियों में, एक उचित कीमत पर या समग्रतः बाजार में एक स्थिति को समाप्त करना तब मुश्किल या असंभव हो सकता है जब खरीद पक्ष या बिक्री पक्ष का कोई भी आदेश बकाया न हो, या यदि असामान्य ट्रेडिंग गतिविधि या प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट के सर्किट फिल्टर को पार करने पर या किसी अन्य कारण की वजह से एक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट में ट्रेडिंग को रोक दिया गया हो।

1.8 प्रणाली/नेटवर्क कंजेशन:

आदेशों को स्थापित करने और अनुमार्गित करने के लिए सेटलाइट/लीज्ड लाइन आधारित संचार, तकनीकों और कंप्यूटर प्रणालियों के संयोजन पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक मोड में एक्सचेंजों पर ट्रेडिंग होती है। इस प्रकार, वहां संचार विफलता या प्रणालीगत समस्याएं या प्रणाली से धीमी या देरी से प्रतिक्रिया या ट्रेडिंग को रोकने या ऐसी कोई अन्य समस्या/गड़बड़ मौजूद हो सकती है, जहां ट्रेडिंग प्रणाली/नेटवर्क के लिए पड़चूँ स्थापित करना संभव नहीं था, जो नियंत्रण से बाहर हो सकता है और जिसके परिणामस्वरूप आंशिक या पूर्ण रूप से खरीद या बिक्री आदेशों को संसाधित करने या न करने में देरी हो सकती है। आपको यह ध्यान देने के लिए आगाह किया जाता है कि यद्यपि ये समस्याएं स्वभावतः अस्थायी हो सकती हैं लेकिन जब आपके पास खुली स्थिति या गैर-निष्पादित आदेश शेष हों तो ये सभी निष्पादित लेनदेनों का निपटान करने के लिए आपके दायित्वों के कारण जोखिम का वहन करते हैं।

2. जहां तक डेरिवेटिव सेगमेंटों का संबंध है, कृपया निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाओं पर ध्यान दें और इनसे स्वयं को परिचित कराएं:-

2.1 "लीवरेज" या "गियरिंग" का प्रभाव:

डेरिवेटिव बाजार में, मार्जिन की राशि डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की राशि का एक छोटा अनुपात होता है, अतः लेनदेन 'लीवरेज्ड' या 'गियर्ड' हो जाते हैं। डेरिवेटिव ट्रेडिंग जिसे मार्जिन की एक अपेक्षाकृत छोटी राशि के साथ किया जाता है, मार्जिन राशि की तुलना में अधिक लाभ या हानि की संभावना प्रदान करती है। लेकिन डेरिवेटिव में लेनदेन में उच्च स्तर का जोखिम शामिल होता है।

इसलिए आपको वास्तव में डेरिवेटिव में ट्रेडिंग करने से पहले निम्न विवरणों को पूर्णतया समझना चाहिए और साथ ही व्यक्ति की परिस्थितियों, वित्तीय संसाधनों आदि को ध्यान में रखकर सावधानी के साथ ट्रेड करना चाहिए। यदि कीमतें आपके विपरीत चली जाती हैं तो आपको अपेक्षाकृत कम समय में अंशतः या पूरी मार्जिन राशि का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, हानि मूल मार्जिन राशि से अधिक हो सकती है।

क) फ्यूचर्स ट्रेडिंग में सभी स्थितियों का दैनिक निपटान शामिल होता है। हर दिन खुली स्थितियों को सूचकांक/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट के समापन स्तर के आधार पर बाजार के लिए चिन्हित किया जाता है। यदि कांट्रैक्ट आपके खिलाफ जाता है तो आपके लिए इस तरह के उतार चढ़ावों के फलस्वरूप होने वाले नुकसान की (अनुमानित) राशि जमा करना आवश्यक होगा। इस राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर करना होगा, सामान्यतः अगले दिन ट्रेडिंग प्रारंभ होने से ठीक पहले।

ख) यदि आप समय सीमा के अंदर अतिरिक्त राशि जमा करने में विफल होते हैं या यदि आपके खाते में बकाया ऋण होता है तो स्टॉक ब्रोकर पूरी स्थिति या उसके एक हिस्से या स्थानापन्न प्रतिभूतियों को समाप्त कर सकते हैं। इस मामले में, आप इस तरह की समाप्ति के फलस्वरूप होने वाले किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।

ग) निश्चित बाजार परिस्थितियों के अंतर्गत एक निवेशक के लिए ऐसे लेनदेन निष्पादित करना मुश्किल या असंभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, यह स्थिति गैर-तरलता जैसे कारकों के कारण हो सकती है यानी जब वहां अपर्याप्त बोलियां या प्रस्ताव होते हैं या कीमत सीमा या सर्किट ब्रेकर आदि के कारण ट्रेडिंग का स्थगन किया गया हो सकता है।

घ) बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए, निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं: मार्जिन दर में परिवर्तन, नकदी मार्जिन दर या अन्य में परिवर्तन। ये नए मानदंड मौजूदा अस्थिर व्याज-राशि पर भी लागू किए जा सकते हैं। ऐसी स्थितियों में, आपको अतिरिक्त मार्जिन डालने या अपनी स्थितियों को कम करने की आवश्यकता होगी।

ङ) आपको अपने ब्रोकर से उन डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की पूरी जानकारी यानी अनुबंध विनिर्देशों एवं उससे जुड़े दायित्वों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग करनी चाहिए जिन पर आपने ट्रेड करने की योजना बनाई है।

2.2 मुद्रा विशिष्ट जोखिम:

1. विदेशी मुद्रा-मूल्यवर्ग कांट्रैक्ट्स में लेनदेन में लाभ या हानि, चाहे उन्हें आपके या किसी अन्य के न्यायिक क्षेत्र में ट्रेड किया जाता है, मुद्रा दरों में उतार-चढ़ावों से प्रभावित होगा, जहां कांट्रैक्ट के मुद्रा मूल्यवर्ग को दूसरी मुद्रा में बदलने की आवश्यकता होती है।

2. कुछ निश्चित बाजार परिस्थितियों में, आपके लिए एक स्थिति को समाप्त करना मुश्किल या असंभव हो सकता है। यह तब हो सकता है, उदाहरण के लिए, जब एक मुद्रा अविनियमित होती है या तय ट्रेडिंग बैंडों को विस्तारित किया जाता है।

3. मुद्रा कीमतें अत्यधिक अस्थिर होती हैं। मुद्राओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव अन्य चीजों के अलावा निम्नलिखित से प्रभावित होते हैं: आपूर्ति-मांग संबंधों को बदलना; ट्रेड, वित्तीय मौद्रिक, विनिमय नियंत्रण कार्यक्रम एवं सरकारों की नीतियां; विदेशी राजनीतिक एवं आर्थिक घटनाएं एवं नीतियां; राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्याज दरों और मुद्रास्फीति में परिवर्तन; मुद्रा अवमूल्यन; और बाजार स्थान की भावना। इन कारकों में से किसी को भी व्यक्तिगत सलाहकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है और इसके बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है कि एक सलाहकार की सलाह के परिणामस्वरूप एक भागीदार ग्राहक को ट्रेड में लाभ होगा या एक ग्राहक को इस तरह की घटनाओं से नुकसान नहीं उठाना होगा।

2.3 विकल्प धारकों का जोखिम:

1. एक विकल्प धारक के लिए अपेक्षाकृत कम समय में विकल्प के लिए भुगतान की गई संपूर्ण राशि को खोने का खतरा होता है। यह जोखिम एक विकल्प की प्रकृति को एक क्षीयमाण परिसंपत्ति के रूप में प्रदर्शित करता है जो वैधता समाप्त होने के बाद अनुपयोगी हो जाती। एक विकल्प धारक जो न तो द्वितीय बाजार में अपना विकल्प बेचता है और न ही इसकी समाप्ति से पूर्व इसका प्रयोग करता है, विकल्प में अपना पूरा निवेश खो देगा। यदि विचाराधीन (अंडरलाइंग) की कीमत में विकल्प की समय सीमा समाप्त होने से पहले प्रत्याशित दिशा में परिवर्तन नहीं होते हैं तो विकल्प की लागत को आवरित करने के लिए पर्याप्त हद तक निवेशक को विकल्प में उसके निवेश के एक महत्वपूर्ण भाग या पूरे निवेश का नुकसान हो सकता है।

2. एक्सचेंज प्रयोग प्रतिबंध लगा सकते हैं और उनके पास निर्दिष्ट परिस्थितियों में निश्चित समयों पर विकल्पों के प्रयोग को प्रतिबंधित करने का पूर्ण अधिकार होता है।

2.4 विकल्प लेखकों (ऑप्शन राइटर्स) का जोखिम:

1. यदि विचाराधीन (अंडरलाइंग) की कीमत में उतार-चढ़ाव प्रत्याशित दिशा में नहीं होता है तो विकल्प लेखकों पर पर्याप्त राशि के नुकसान का जोखिम होता है।

2. एक विकल्प लेखक होने का जोखिम उसी विचाराधीन हित पर अन्य विकल्पों को खरीदने और इस तरह एक स्प्रेड स्थिति बनाने या विकल्प बाजारों या अन्य बाजारों में हेजिंग स्थितियों के अन्य प्रकारों द्वारा कम किया जा सकता है। हालांकि लेखक द्वारा एक स्प्रेड या अन्य हेजिंग स्थिति बना लेने के बावजूद भी जोखिम महत्वपूर्ण हो सकता है। एक स्प्रेड स्थिति आवश्यक रूप से एक साधारण 'दीर्घ (लांग)' या 'लघु (शार्ट)' स्थिति की तुलना में कम जोखिमयुक्त नहीं होती है।

3. वे लेनदेन जिनमें उस संयोजन में कई विकल्प खरीदना एवं लेखन, या विचाराधीन हितों को खरीदने या शार्ट सेलिंग के संयोजन में विकल्पों को खरीदना या लेखन शामिल होता है, निवेशकों के लिए अतिरिक्त जोखिम उत्पन्न करते हैं। संयुक्त लेनदेन जैसे विकल्प स्प्रेड, एक विकल्प को खरीदने या लेखन की तुलना में अधिक जटिल होते हैं। और इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि निवेश के किसी भी क्षेत्र में, एक जटिलता जिसे अच्छी तरह से समझा न गया हो, अपने आप में एक जोखिम कारक है। हालांकि यह सुझाव नहीं दिया जाता है कि संयोजन रणनीतियों पर विचार नहीं किया जाता है, जैसा विकल्पों में सभी निवेशों के मामले में होता है, किसी ऐसे व्यक्ति से परामर्श करने की सलाह दी जाती है जो विभिन्न बाजार परिस्थितियों के तहत संयोजन लेनदेनों के जोखिमों और संभावित रिवाइड के संबंध में अनुभवी एवं जानकारी है।

3. वायरलेस तकनीक/स्मार्ट आर्डर रूटिंग या किसी अन्य तकनीक के माध्यम से ट्रेडिंग:

वायरलेस तकनीक/स्मार्ट आर्डर रूटिंग या किसी भी अन्य तकनीक के माध्यम से प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग से जुड़ी सुविधाओं, जोखिमों, जिम्मेदारियों, दायित्वों और देनदारियों को परिभाषित करने के लिए किसी भी अतिरिक्त प्रावधान को स्टॉक ब्रोकर द्वारा ग्राहक के ध्यान में लाया जाना चाहिए।

4. सामान्य

4.1 शब्द 'घटक/ग्राहक' का तात्पर्य है और इसमें शामिल है: एक क्लाइंट, एक ग्राहक या एक निवेशक जो एक्सचेंजों द्वारा प्रदान किए गए मैकेनिज्म के माध्यम से प्रतिभूति/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट प्राप्त करने और/या बेचने के उद्देश्य के लिए एक स्टॉक ब्रोकर के साथ सौदा करते हैं।

4.2 शब्द 'स्टॉक ब्रोकर' का तात्पर्य है और इसमें शामिल है: एक स्टॉक ब्रोकर, एक ब्रोकर या स्टॉक ब्रोकर जिसे एक्सचेंजों द्वारा यथावत स्वीकार किया गया है और जिन्होंने SEBI से पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

जोडपत्र - 5

भांडवली बाजारासाठी आणि डेरिव्हेटिव्ह विभागासाठी जोखीम प्रकटन दस्तऐवज

या दस्तऐवजात स्टॉक एक्सचेंजेसच्या इक्विटीज/डेरिव्हेटिव्ह विभागांमध्ये व्यवहार करण्याविषयी महत्त्वाची माहिती समाविष्ट आहे. सर्व संभाव्य घटकांनी स्टॉक एक्सचेंजेसच्या इक्विटीज/डेरिव्हेटिव्ह विभागांमध्ये व्यवहार करण्यापूर्वी हा दस्तऐवज वाचावा.

स्टॉक एक्सचेंजेस/SEBI स्वतंत्रपणे किंवा संयुक्तपणे आणि अभिव्यक्तपणे किंवा गर्भितार्थाने या प्रकटन दस्तऐवजाच्या पूर्णत्वाची, पर्याप्ततेची किंवा अचूकतेची हमी देत नाहीत किंवा स्टॉक एक्सचेंजेस/SEBIने याचा पुरस्कार केलेला नाही किंवा विभागांमधील व्यवहारातील सहभागाच्या कोणतीही गुणवत्ता पारित केलेल्या नाही. हे संक्षिप्त विधान व्यवहारातील सर्व जोखमी आणि इतर महत्त्वाचे पैलू उघड करत नाही.

यातील जोखमी विचारात घेता तुम्ही ज्या प्रकारचे संबंध जोडत आहात आणि ज्या जोखमींना तुम्ही सामोरे जाणार आहात त्याचे स्वरूप तुम्हाला समजत असेल तरच तुम्ही व्यवहार करावेत.

तुम्हाला माहित असले पाहिजे आणि तुम्ही मान्य केले पाहिजे कि स्टॉक एक्सचेंजेसवर व्यवहार केल्या जाणारे इक्विटी शेअर्स, डेरिव्हेटिव्ह करार किंवा इतर संलेख, ज्यात जोखमीचे विविध घटक असतात, ते सर्वसाधारणपणे अत्यंत मर्यादित स्रोत/मर्यादित गुंतवणूक आणि/किंवा व्यवहाराचा अनुभव आणि जोखीम सहन करण्याची मर्यादित क्षमता असलेल्या व्यक्तिसाठी तरी उचित मार्ग नाही. त्यामुळे तुमच्या आर्थिक परिस्थितीचा विचार करता अशा प्रकारचे व्यवहार तुमच्यासाठी सोयीचे आहेत का याचा तुम्ही गंभीरपणे विचार करावा. जर तुम्ही स्टॉक एक्सचेंजेसवर व्यवहार केलात आणि काही विपरीत परिणाम किंवा नुकसान झाले तर त्यासाठी फक्त तुम्हीच जबाबदार असाल आणि त्यासाठी स्टॉक एक्सचेंजेस/त्यांची क्लिअरिंग कॉर्पोरेशन्स आणि/किंवा SEBI कोणत्याही प्रकारे जबाबदार नसतील आणि तुम्ही असा युक्तीवाद करू शकणार नाही कि त्यातील जोखमींचे पुरेसे प्रकटन करण्यात आले नव्हते किंवा संबंधित स्टॉक ब्रोकरने त्यातील जोखमींची पूर्ण कल्पना तुम्हाला दिलेली नव्हती. परिणामांसाठी फक्त घटकच जबाबदार असतील आणि त्यापायी कोणताही करार विखंडित करता येणार नाही. तुम्ही हे मानले आणि स्वीकारले पाहिजे कि स्टॉक एक्सचेंजेसवर डेरिव्हेटिव्ह करारांच्या खरेदी आणि/किंवा विक्रीचे आदेश निष्पादित करताना नफ्याची कोणतीही हमी नाही किंवा होणाऱ्या नुकसानासाठी कोणताही अपवाद केला जात नाही.

तुम्ही हे स्पष्टपणे समजून घेतले पाहिजे कि एखाद्या स्टॉक ब्रोकरमार्फत केलेले तुमचे व्यवहार तुमच्या स्टॉक ब्रोकरने निश्चीत केलेल्या काही औपचारिकतांची, ज्यात इतर विषयांबरोबरच तुमचा ग्राहक जाणून घ्या प्रपत्र, हक्क आणि कर्तव्यांचे वाचन, कराव्यात आणि करू नयेत अशा काही गोष्टी, वगैरेंचा समावेश असू शकेल, तुमच्याकडून पूर्तता केली जाण्याच्या अधीन असतील आणि ते संबंधित स्टॉक एक्सचेंज, त्याचे क्लिअरिंग कॉर्पोरेशन, SEBIने विहीत केलेली आणि वेळोवेळी अमलात असलेली मार्गदर्शक तत्त्वे आणि स्टॉक एक्सचेंजेसकडून किंवा त्याच्या क्लिअरिंग कॉर्पोरेशनकडून निर्गमित केली गेलेली आणि वेळोवेळी अमलात असलेली परिपत्रके यांच्या अधीन असतील.

स्टॉक एक्सचेंजेस कोणताही सल्ला देत नाहीत किंवा तसा त्यांचा हेतूही नसतो आणि या दस्तऐवजातील कोणत्याही माहितीच्या आधारे कोणत्याही व्यक्तीने कोणत्याही स्टॉक ब्रोकरबरोबर आणि/किंवा तृतीय पक्षाबरोबर स्थापित केलेल्या व्यावसायिक संबंधांसाठी ते जबाबदार नसतील. या दस्तऐवजात असलेली कोणतीही माहिती व्यावसायिक सल्ला मानू नये. कोणत्याही व्यवहाराचा विचार अशा व्यवहारात असलेल्या जोखमी पूर्णपणे समजून घेतल्याशिवाय किंवा त्यांचा आढावा घेतल्याशिवाय करू नये. तुम्हाला खात्री नसेल तर, तुम्ही त्याबाबतीत व्यावसायिक सल्ला घेतला पाहिजे.

व्यवहार करण्याचा किंवा तुमच्यासाठी व्यवहार करण्यासाठी कोणाला तरी अधिकार देण्याचा विचार करताना, तुम्हाला खालील गोष्टींची माहिती असावी किंवा त्या तुम्ही नीटपणे समजून घ्याव्यात:-

1. पायाभूत जोखमी:

1.1 अधिक उच्च चंचलतेच्या जोखमी:

चंचलता म्हणजे जेव्हा स्टॉक एक्सचेंजेसवर व्यवहार चालू असतात तेव्हा एखाद्या सिक्युरिटीच्या/डेरिव्हेटिव्ह कराराच्या किंमतीत होणारे गतिशील बदल. सर्वसाधारणपणे, एखाद्या सिक्युरिटीतील/डेरिव्हेटिव्ह करारातील चंचलता जेवढी मोठी, तेवढेच त्यांच्या किंमतीतील चढ-उतार मोठे असतात. सामान्यपणे, कमी व्यवहार होणाऱ्या सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांतील चंचलता सक्रिय सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांपेक्षा मोठी असते. चंचलतेच्या परिणामी, तुमच्या आदेशाची अंशतः कार्यवाही केली जाऊ शकेल किंवा अजिबात केली जाऊ शकणार नाही, किंवा तुमच्या आदेशाची कार्यवाही ज्या किंमतीला केली गेली असेल ती शेवटच्या व्यवहारातील किंमतीपेक्षा खूप वेगळी असू शकेल किंवा नंतर खूप बदलू शकेल, परिणामी संभाव्य किंवा खरोखरीच नुकसान होऊ शकेल.

1.2 कमी रोकडसुलभतेची जोखीम:

रोकडसुलभतेचा अर्थ बाजारातील सहभागींच्या सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करार एका स्पर्धात्मक किंमतीला आणि किंमतीतील किमान फरकाने तातडीने खरेदी करण्याची/विकण्याची क्षमता. सर्वसाधारणपणे, असे गृहित धरले जाते कि बाजारात उपलब्ध असलेल्या आदेशांची संख्या

जेवढी जास्त तेवढी रोकडसुलभता मोठी. रोकडसुलभता महत्वाची आहे कारण मोठ्या रोकडसुलभतेमुळे गुंतवणूकदाराला सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करार जलद आणि किंमतीतील कमीत कमी फरकाने खरेदी करणे आणि/किंवा विकणे सोपे जाते, आणि परिणामी, खरेदी केलेल्या किंवा विकलेल्या सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांसाठी गुंतवणूकदार स्पर्धात्मक किंमत देण्याची किंवा त्याला ती मिळण्याची शक्यता जास्त असते. काही सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांमध्ये सक्रिय सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांच्या तुलनेत कमी रोकडसुलभतेची जोखीम असू शकेल. परिणामी, तुमच्या आदेशाची केवळ अंशतः कार्यवाही केली जाऊ शकेल किंवा तुलनेने अधिक किंमतीला कार्यवाही केली जाऊ शकेल किंवा अजिबात केली जाऊ शकणार नाही.

1.2.1 रोजच्या व्यवहाराच्या धोरणाचा एक भाग म्हणून सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्हची खरेदी करणे किंवा विक्री करणे याच्या परिणामी सुद्धा नुकसान होऊ शकते, कारण अशा परिस्थितीत सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्हच्या करारांची विक्री/खरेदी अपेक्षित किंमतीच्या पातळीच्या तुलनेत कमी किंमतीला करणे भाग पडते, जेणेकरून सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार डिलीव्हर करण्यासाठी किंवा मिळवण्यासाठी कोणतीही खुली परिस्थिती किंवा कर्तव्य राहू नये.

1.3 विस्ताराची जोखीम:

विस्ताराचा संदर्भ खरेदीच्या आणि विक्रीच्या उत्तम किंमतीतील फरकाशी आहे. एखादी सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार खरेदी/विक्री करण्याची किंमत आणि ताबडतोब ती विक्री/खरेदी करण्याची किंमत, यातील फरकाचे ते निदर्शक आहे. कमी रोकडसुलभता आणि उच्च चंचलता याचा परिणाम कमी रोकडसुलभ किंवा अरोकडसुलभ सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांसाठी सामान्यापेक्षा विशाल फरकात होऊ शकतो. त्यामुळे अधिक चांगली किंमत मिळण्यात अडथळा होण्यात होऊ शकतो.

1.4 जोखीम कमी करणारे आदेश:

काही ठराविक रकमेपर्यंत नुकसान सीमित ठेवणारे आदेश (उदा.: “स्टॉप लॉस” ऑर्डर्स, किंवा “लिमीट” ऑर्डर्स) देणे अनेक वेळा प्रभावी ठरत नाही कारण बाजारातील गतिमान परिस्थितीमुळे अशा आदेशांची कार्यवाही करणे अशक्य होऊ शकते.

1.4.1 जर विरुद्ध बाजूकडून आदेश उपलब्ध असतील, तर किंमतीचा विचार न करता एखाद्या “मार्केट” आदेशाची कार्यवाही झटपट केली जाईल, आणि जरी ग्राहकाच्या “मार्केट” आदेशावर कार्यवाही झटपट केली जाऊ शकेल, तरीही ही कार्यवाही थकित आदेशांसाठी आणि उपलब्ध किंमतीवर असेल, ज्याने आदेशित संख्या किंमत-वेळ प्राधान्यावर पूर्ण होईल. पण हे समजून घेतले जावे कि या किंमती सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह कराराच्या शेवटच्या व्यवहारातील किंमतीपेक्षा किंवा त्यांच्या सर्वोत्तम किंमतीपेक्षा खूप वेगळ्या असू शकतील.

1.4.2 एखाद्या “लिमीट” आदेशाची कार्यवाही केवळ आदेशासाठी निश्चित केलेल्या “लिमीट” किंमतीला किंवा अधिक चांगल्या किंमतीला केली जाईल. तथापि, ग्राहकाला किंमतीविषयी संरक्षण मिळते पण त्याच वेळी अशीही शक्यता आहे कि आदेशाची अजिबात कार्यवाही केली जाऊ शकणार नाही.

1.4.3 स्टॉप लॉस आदेश साधारणपणे एखाद्या स्टॉक/डेरिव्हेटिव्ह कराराच्या चालू किंमतीपासून “दूर” जातो, आणि सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार स्टॉप किंमतीपर्यंत पोचला किंवा त्या किंमतीवर व्यवहार झाला तर असा आदेश सक्रिय केला जातो. विक्रीचे स्टॉप आदेश सामान्यपणे चालू किंमतीच्या खाली नोंदविले जातात, आणि खरेदीचे स्टॉप आदेश सामान्यपणे चालू किंमतीच्या वर नोंदविले जातात. जेव्हा सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार पूर्व-निश्चित किंमतीपर्यंत पोचतात, किंवा अशा किंमतीवर व्यवहार केला जातो, स्टॉप लॉस आदेशाचे रुपांतर मार्केट/लिमीट आदेशात होते आणि आणि मर्यादेवर किंवा अधिक चांगल्या किंमतीवर कार्यवाही होते. त्यामुळे लिमीट आदेशाची कार्यवाही करता येईल याची कोणतीही हमी नाही कारण एखादी सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार पूर्व-निश्चित किंमत भेदू शकेल, आणि असे झाल्यास अशा आदेशावर कार्यवाही न होण्याची जोखीम उद्भवू शकेल, अगदी तसेच जसे एखाद्या नियमित लिमीट आदेशाच्या बाबतीत होते.

1.5 बातम्यांच्या घोषणांची जोखीम:

स्टॉक/डेरिव्हेटिव्ह कराराच्या किंमतींना प्रभावीत करू शकतील अशा बातम्यांची घोषणा व्यवहारादरम्यान होऊ शकेल, आणि त्याच्या जोडीला कमी रोकडसुलभता आणि उच्च चंचलता असेल, तर त्यामुळे सिक्युरिटी/कराराच्या किंमतीत अचानक अनपेक्षित सकारात्मक किंवा नकारात्मक चढउतार होऊ शकतील.

1.6 अफवांची जोखीम:

अनेक वेळा कंपन्या /चलने यांच्याविषयी तोंडोतोंडी, वर्तमानपत्रातून, वेबसाइटस्वरून किंवा न्यूज एजन्सीज इत्यादींद्वारे अफवा पसरविल्या जातात. गुंतवणूकदारांनी याबाबत सावध रहावे आणि अफवांच्या आधारे कृती करण्यापासून परावृत्त व्हावे.

1.7 प्रणाली जोखीम:

बाजार उघडण्यापूर्वी आणि बंद होण्यापूर्वी उच्च राशी व्यवहार वारंवार होतील. असे उच्च राशी व्यवहार दिवसातील इतर वेळा देखील होऊ शकतील. त्यामुळे आदेशांच्या कार्यवाहीत किंवा पुष्टीकरणात दिरंगाई होऊ शकेल.

1.7.1 चंचलतेच्या कालावधीमध्ये, बाजारातील सहभागींद्वारा त्यांच्या आदेशात किंवा किंमतीत सातत्याने बदल केल्याने किंवा नवीन आदेश दिल्याने, आदेशाच्या कार्यवाहीत किंवा पुष्टीकरणात दिरंगाई होऊ शकेल.

1.7.2 बाजारातील काही विशिष्ट परिस्थितीत, बाजारातील एखाद्या स्थितीचे परिसमापन वास्तव किंमतीला करणे कठिण होऊ शकेल किंवा अजिबात करता येऊ शकणार नाही, जेव्हा विक्रीच्या बाजूने किंवा खरेदीच्या बाजूने कोणतेही शिल्लक आदेश नसतील किंवा व्यवहारातील कोणत्याही असामान्य कृतीमुळे किंवा सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करार सर्किट फिल्टर्सपर्यंत पोचल्यामुळे किंवा इतर कोणत्याही कारणासाठी एखाद्या सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करारातील व्यवहार थांबविले जातील.

1.8 प्रणाली/नेटवर्कवरील गर्दी:

एक्सचेंजसमधील व्यवहार, आदेश घेणे व मार्गस्थ करणे, हे उपग्रह/लीज्ड लाइन आधारित कम्युनिकेशन, तंत्रज्ञाने आणि संगणक प्रणालींचा संयोग यांच्या आधारे इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने चालते. अशा प्रकारे, तिथे कम्युनिकेशन बंद पडणे किंवा प्रणालीतील समस्या किंवा प्रणालीकडून मंद किंवा उशीराने प्रतिसाद मिळणे किंवा व्यवहार बंद होणे, किंवा अशा इतर कोणत्याही समस्या-अडचणी येण्याची शक्यता असते, ज्यामुळे व्यवहाराच्या प्रणाली/नेटवर्कपर्यंत पोचणे शक्य होत नाही, जे नियंत्रणाबाहेर असू शकेल आणि त्याचा परिणाम खरेदी किंवा विक्रीच्या आदेशांवर प्रक्रिया करण्यात अंशतः किंवा पूर्णपणे दिरंगाई होणे किंवा प्रक्रिया न होण्यात होऊ शकेल. तुम्हाला नोंद घेण्याचा इशारा देण्यात येतो कि जरी या समस्या तात्पुरत्या स्वरूपाच्या असतात, तरी जेव्हा तुमच्यापाशी थकित खुली स्थिती किंवा कार्यवाही न झालेले आदेश असतात तेव्हा सर्व कार्यवाही झालेले व्यवहार पूर्ण करण्याच्या तुमच्या कर्तव्याला ही जोखीम आडवी येऊ शकते.

2. जेथपर्यंत डेरिव्हेटिव्ह विभागांचा संबंध आहे, कृपया नोंद घ्या आणि खालील अतिरिक्त वैशिष्ट्यांशी स्वतःला चांगले परिचित करून घ्या:-

2.1 'लीव्हेरेज' किंवा 'गिअरिंग' चा परिणाम:

डेरिव्हेटिव्ह बाजारात, डेरिव्हेटिव्ह कराराच्या मूल्याच्या मानाने मार्जीनची रक्कम छोटी असते, त्यामुळे व्यवहार "लीव्हेरेज" किंवा 'गिअर्ड' केले जातात. डेरिव्हेटिव्ह व्यवहार तसे छोटी मार्जीनच्या रकमेने केले जातात, पण ते मार्जीनच्या तुलनेत मोठा नफा किंवा नुकसान होण्याची शक्यता देतात. पण डेरिव्हेटिव्हमधील व्यवहारात मोठी जोखीम असते.

म्हणून प्रत्यक्षात डेरिव्हेटिव्हमध्ये व्यवहार करण्यापूर्वी तुम्ही पुढील विधाने पूर्णपणे समजून घ्यावीत आणि आपली परिस्थिती, आर्थिक स्रोत वगैरे सुद्धा विचारात घेऊन व्यवहार करावा. जर किंमती तुमच्या विरोधात गेल्या, तर अपेक्षाकृत अल्प कालावधीत तुम्ही मार्जीन रक्कम अंशतः किंवा पूर्णपणे गमावू शकाल. ह्याशिवाय, तुमचे नुकसान मूळ मार्जीन रकमेपेक्षा जास्तही असू शकेल.

ए. हवाला व्यवहारात सर्व स्थितींची रोज व्यवहारपूर्ति समाविष्ट आहे. रोज खुल्या स्थिती निर्देशांकाच्या/डेरिव्हेटिव्ह करारांच्या बंद पातळीच्या आधारे बाजारात चिन्हांकित केल्या जातात. करार तुमच्या विरोधात पुढे सरकला असेल, तर तुम्हाला अशा हालचालीतून होणाऱ्या नुकसानाची (अनुमानित) रक्कम जमा करावी लागेल. रक्कम एका विशिष्ट ठरवून दिलेल्या कालावधीच्या आत, साधारणपणे पुढच्या दिवसाचे व्यवहार सुरू होण्यापूर्वी, प्रदान करावी लागते.

बी. तुम्ही ठरवून दिलेल्या वेळेपूर्वी रक्कम जमा करू शकला नाहीत किंवा तुमच्या खात्यात थकबाकी असेल तर, स्टॉक ब्रोकर स्थितीचे संपूर्णपणे किंवा अंशतः परिसमापन करू शकेल किंवा बदल्यात सिक्युरिटीज देऊ शकेल. या बाबतीत, अशा क्लोज-आउट्समुळे होणाऱ्या कोणत्याही नुकसानासाठी तुम्हीच जबाबदार असाल.

सी. बाजारातील काही विशिष्ट परिस्थितीत, एखाद्या गुंतवणूकदाराला व्यवहारांची कार्यवाही करणे कठिण किंवा अशक्य ठरू शकते. उदाहरणार्थ, ही परिस्थिती अरोकडसुलभता, म्हणजे जेव्हा विड्स किंवा ऑफर्स पुरेशा नसतात, किंवा किंमतीवरील बंधनांमुळे किंवा सर्किट ब्रेकर्समुळे वगैरे व्यवहार निलंबित असतात, अशांमुळे येऊ शकते.

डी. बाजारात स्थैर्य राखण्याच्या दृष्टीने, खालील पावले उचलली जाऊ शकतील: मार्जीनच्या दरातील बदल, कॅश मार्जीन किंवा इतर दरात वाढ. या नवीन उपाययोजना विद्यमान खुल्या हितसंबंधाना सुद्धा लागू केल्या जाऊ शकतात. अशा परिस्थितीत, तुम्हाला अतिरिक्त मार्जीन ठेवावे लागेल किंवा तुमची स्थिती कमी करावी लागेल.

इ. तुम्ही तुमच्या ब्रोकरला तुम्ही व्यवहार करण्याचे योजत असलेल्या डेरिव्हेटिव्ह करारांचा संपूर्ण तपशील विचारला पाहिजे, अर्थात, कराराची विनिर्दिष्ट आणि संलग्न कर्तव्ये.

2.2 चलनविषयक जोखमी:

1. विदेशी चलनाचे प्राबल्य असलेल्या करारातील, मग ते तुमच्या स्वतःच्या किंवा दुसऱ्याच्या अधिकारितेतील असोत, व्यवहारातील नफा किंवा नुकसान यावर चलनाच्या दरातील चढउतारांचा परिणाम होईल जेव्हा कराराच्या चलनाचे दुसऱ्या चलनात रुपांतरण करणे आवश्यक असेल.

2. बाजारातील काही विशिष्ट परिस्थितीत, तुम्हाला एखादी स्थिती परिसमाप्त करणे कठिण किंवा अशक्य ठरू शकेल. हे घडू शकेल, उदाहरणार्थ, जेव्हा चलन अनियंत्रित केले जाईल किंवा फिक्स्ड ट्रेडिंग बँडस् विस्तृत केले जातील.

3. चलनाच्या किंमती प्रचंड चंचल असतात. चलनाच्या किंमतीतील चढउतार, इतर बाबींबरोबरच, मागणी-पुरवठा संबंधातील बदल; व्यापार, आर्थिक, पैसाविषयक, विनिमय नियंत्रण कार्यक्रम आणि सरकारी धोरणे; विदेशातील राजकीय आणि आर्थिक घटना आणि धोरणे; राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय व्याज दरांतील बदल आणि चलनफुगवटा; चलनाचे अवमूल्यन; आणि बाजाराच्या ठिकाणच्या सॅटीमेंटस् यामुळे प्रभावीत होऊ शकतात. यापैकी कोणत्याही घटकाचे नियंत्रण व्यक्तीगत सल्लागार करू शकत नाही आणि सल्लागाराच्या सल्ल्याची परिणती एखाद्या सहभागी ग्राहकासाठी नफादायक व्यवहारात होऊ शकेल किंवा एखाद्या ग्राहकाचे अशा घटनांमुळे नुकसान होणार नाही अशी कोणतीही हमी देता येत नाही.

2.3 ऑप्शन धारकांची जोखीम:

1. एखाद्या ऑप्शन धारकाला अपेक्षाकृत अल्प वेळेत ऑप्शनसाठी प्रदान केलेली संपूर्ण रक्कम गमावण्याची जोखीम असते. ही जोखीम ऑप्शनची प्रकृति दर्शवते, जी म्हणजे ऑप्शनची अवधि संपल्यावर संपत्ति वाया जाणे. एखादा ऑप्शन धारक, जो त्याचा ऑप्शन त्याच्या समाप्तीपूर्वी दुय्यम बाजारात विकत नाही किंवा समाप्तीपूर्वी त्याचा वापर करत नाही, त्याची ऑप्शनमधील संपूर्ण गुंतवणूक निश्चितच गमावेल. ऑप्शन समाप्त होण्यापूर्वी त्याची अंतर्निहित किंमत, ऑप्शनचा खर्च भरून निघण्यासाठी पुरेशा मर्यादित, अपेक्षित दिशेने बदलली नाही, तर गुंतवणूकदार त्याची ऑप्शनमधील गुंतवणूक मोठ्या प्रमाणावर किंवा संपूर्णपणे गमावेल.

2. एक्सचेंज कार्यवाहीवर बंधने घालू शकेल आणि त्याला काही विशिष्ट परिस्थितीत काही वेळा ऑप्शनसच्या कार्यवाहीवर बंधने घालण्याचा निखालस हक्क आहे.

2.4 ऑप्शन राइटर्सच्या जोखीम:

1. त्याच्या अंतर्निहित किंमतीतील चढउतार अपेक्षित दिशेने नसतील तर, ऑप्शन राइटर मोठी रक्कम गमावण्याची जोखीम पत्करत असतो.

2. ऑप्शन राइटर होण्याची जोखीम तशाच अंतर्निहित हितसंबंधांच्या इतर ऑप्शनसची खरेदी करून आणि त्यायोगे विस्तारलेली स्थिती पत्करून किंवा ऑप्शनस बाजारातून किंवा अन्य बाजारांतून इतर प्रकारच्या हेजिंग स्थिती संपादित करून कमी केली जाऊ शकेल. तथापि, जिथे राइटरने विस्तार किंवा इतर हेजिंग स्थिती पत्करल्या आहेत तिथे सुद्धा जोखीम मोठीच असेल. विस्तार स्थिती ही साध्या 'लॉंग' किंवा 'शॉर्ट' स्थितीपेक्षा कमी जोखमीची असते असे नाही.

3. अनेक ऑप्शनस एकत्रितपणे खरेदी करणे किंवा लिहिणे, किंवा अंतर्निहित हितसंबंधांच्या शॉर्ट विक्री किंवा खरेदीबरोबर ऑप्शनस खरेदी करणे किंवा लिहिणे, ह्याचा समावेश असलेले व्यवहार गुंतवणूकदारासाठी अतिरिक्त जोखीम प्रस्तुत करतात. ऑप्शन विस्तारसारखे संयुक्त व्यवहार हे एकमेव विकल्प खरेदी करणे किंवा लिहिणे यापेक्षा अधिक गुंतागुंतीचे असतात. आणि त्याच्याही पुढे नोंद घेण्यात यावी कि, गुंतवणूकीच्या कोणत्याही क्षेत्रा प्रमाणेच, चांगली समजून न घेतलेली गुंतागुंत ही स्वतःच एक जोखमीचा घटक आहे. इथे असे सुचवायचे नाही की संयुक्त धोरणांचा विचार करून नये, परंतु सर्व ऑप्शन गुंतवणूकींच्या बाबतीत अशा एखाद्या व्यक्तीचा सल्ला घेणे योग्य ठरेल, ज्याला बाजारातील विविध प्रकारच्या परिस्थितीत संयुक्त व्यवहारातील जोखमी आणि संभाव्य लाभ यांच्या संबंधात अनुभव आणि ज्ञान असेल.

3. वायरलेस तंत्रज्ञान/स्मार्ट ऑर्डर रूटिंग किंवा इतर कोणत्याही तंत्रज्ञानामार्फत व्यवहार करणे:

वायरलेस तंत्रज्ञान/स्मार्ट ऑर्डर रूटिंग किंवा इतर कोणत्याही तंत्रज्ञानामार्फत सिक्युरिटीज व्यवहार करण्याशी संबंधित वैशिष्ट्ये, जोखमी, जबाबदाऱ्या, कर्तव्ये आणि दायित्वे यांची व्याख्या करणाऱ्या कोणत्याही तरतूदी स्टॉक ब्रोकरने ग्राहकाच्या नजरेला आणाव्यात.

4. सर्वसाधारण:

4.1 'घटक' शब्दाचा अर्थ असेल आणि त्यात समाविष्ट असतील एखादे अशील, एखादा ग्राहक, किंवा एखादा गुंतवणूकदार, जो एक्सचेंजेसद्वारे पुरविण्यात आलेल्या यंत्रणामार्फत सिक्युरिटीज/डेरिव्हेटिव्ह करारांच्या संपादनाच्या आणि/किंवा विक्रीच्या हेतूने स्टॉक ब्रोकरमार्फत व्यवहार करतो.

4.2 'स्टॉक ब्रोकर' शब्दाचा अर्थ असेल आणि त्यात समाविष्ट असतील एखादा स्टॉक ब्रोकर, ब्रोकर किंवा स्टॉक ब्रोकर, ज्याला एक्सचेंजेसनी तसे दाखल करून घेतले आहे आणि जो SEBIकडील नोंदणी प्रमाणपत्र धारण करतो.

अनुलग्नक-4 अनुलग्नक

स्टॉक ब्रोकरों, सब-ब्रोकरों तथा ग्राहकों के अधिकार एवं दायित्व SEBI एवं स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्धारित

1. ग्राहक एक्सचेंजों/भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) के नियमों, उप-नियमों और विनियमों एवं समय-समय पर जारी परिपत्रों/नोटिसों में दी गई परिभाषा के अनुसार एक्सचेंजों में/पर सौदा करने के लिए प्रस्तुत की गई उन प्रतिभूतियों/कांट्रैक्ट्स (अनुबंधों)/अन्य विलेखों (इस्ट्रूमेंट्स) में निवेश/ट्रेड करेगा।
2. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर और ग्राहक समय समय पर प्रभावी हो सकने वाले एक्सचेंज द्वारा जारी सभी नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा उनके अंतर्गत जारी किए गए परिपत्रों/नोटिसों तथा SEBI के नियमों एवं विनियमों एवं सरकारी प्राधिकारियों की अधिसूचनाओं का अनुपालन करने के लिए बाध्य होंगे।
3. ग्राहक प्रतिभूतियों में सौदा करने और/या डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स में सौदा करने के लिए स्टॉक ब्रोकर की क्षमता से संतुष्ट होगा और स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से अपने आदेशों को निष्पादित करने की इच्छा रखता है, और ग्राहक समय-समय पर स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से आदेशों को निष्पादित करने से पहले उसकी क्षमता से स्वयं को संतुष्ट करता रहेगा।
4. स्टॉक ब्रोकर लगातार ग्राहक की वास्तविकता एवं वित्तीय मजबूती एवं दी जाने वाली सेवाओं के अनुसार निवेश उद्देश्यों के बारे में स्वयं को संतुष्ट करेगा।
5. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर की कार्य सीमा, देयता या क्षमता सहित किए जाने वाले व्यवसाय के लिए स्टॉक ब्रोकर की देयता की निर्धारित प्रकृति के बारे में जानकारी देने के लिए कदम उठाएगा।
6. सब-ब्रोकर ग्राहक के साथ सभी सौदों में स्टॉक ब्रोकर को आवश्यक सहायता एवं सहयोग प्रदान करेगा।

ग्राहक के बारे में जानकारी

7. ग्राहक वे सभी विवरण समय-समय पर स्टॉक एक्सचेंजों/SEBI द्वारा अनिवार्य समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करेगा जो स्टॉक ब्रोकर के लिए "खाता खोलने के फॉर्म" में दिया जाना आवश्यक है।
8. ग्राहक, खाता खोलने के लिए आवश्यक दस्तावेजों में सभी अनिवार्य प्रावधानों के बारे में जानेगा। ग्राहक द्वारा स्वीकृत नियम एवं शर्तों के अनुसार स्टॉक ब्रोकर द्वारा निर्दिष्ट कोई भी अतिरिक्त उपबंध या दस्तावेज गैर-जरूरी होगा।
9. ग्राहक समाप्ति आवेदन/ऋणशोधन आवेदन या किसी भी अभियोग सहित - जिसका उसकी क्षमता पर कोई भी प्रभाव हो सकता है- खाता खोलने के समय या उसके बाद 'खाता खोलने के फॉर्म' में दी गई जानकारी में कोई भी परिवर्तन होने पर तुरंत ही स्टॉक ब्रोकर को लिखित में सूचित करेगा। ग्राहक आवधिक आधार पर स्टॉक ब्रोकर को वित्तीय जानकारी प्रदान करेगा/अद्यतित करेगा।
10. स्टॉक ब्रोकर एवं सब-ब्रोकर खाता खोलने के फॉर्म में दिए गए सभी विवरणों या ग्राहक से संबंधित अन्य सभी जानकारी को गुप्त रखेंगे और वे किसी विशेष कानूनी/विनियामक आवश्यकताओं के अंतर्गत आवश्यक होने के अलावा किसी व्यक्ति/प्राधिकारी के समक्ष इसका खुलासा नहीं करेंगे। बशर्ते हालांकि स्टॉक ब्रोकर ग्राहक की सहमति से उसकी जानकारी को किसी भी व्यक्ति या प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

मार्जिन

11. ग्राहक लागू प्रारंभिक मार्जिन, काटी हुई मार्जिन, विशेष मार्जिन या ऐसे अन्य सभी मार्जिनों का भुगतान करेगा जिन्हें स्टॉक ब्रोकर या एक्सचेंज द्वारा आवश्यक माना जाता है या जैसा समय समय पर ग्राहक द्वारा ट्रेड किए जाने वाले सेगमेंटों पर लागू SEBI के दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक माना जाता है। स्टॉक ब्रोकर को अपने एकमात्र और पूर्ण विवेक में अतिरिक्त मार्जिन एकत्र करने की अनुमति है (भले ही एक्सचेंज, समाशोधन गृह (क्लियरिंग हाउस)/समाशोधन निगम (क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) या SEBI द्वारा आवश्यक न हो) और ग्राहक निर्धारित समय के भीतर ऐसे मार्जिनों का भुगतान करने के लिए बाध्य होगा।

12. ग्राहक समझता है कि ग्राहक द्वारा मार्जिन का भुगतान आवश्यक रूप से सभी बकायों की पूर्ति नहीं करता है। लगातार मार्जिनों का भुगतान करने के बावजूद भी ग्राहक, अपने ट्रेड के निपटान पर, अनुबंध के अनुसार निर्दिष्ट/आवश्यक उन सभी राशियों का भुगतान करने के लिए बाध्य (या प्राप्त करने का हकदार) है।

लेनदेन एवं निपटान

13. ग्राहक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कंट्रैक्ट की खरीद या बिक्री के लिए कोई भी आदेश लिखित में या उस अन्य रूप या तरीके से देगा जिस पर ग्राहक एवं स्टॉक ब्रोकर परस्पर सहमत हों। स्टॉक ब्रोकर केवल उस ग्राहक को आवंटित अद्वितीय ग्राहक कोड में आदेश देना और ट्रेडों को निष्पादित करना सुनिश्चित करेगा।
14. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को ट्रेडिंग/निपटान चक्र, डिलीवरी/भुगतान अनुसूची, उसमें समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों के बारे में सूचित करेगा और उसे इसके बारे में अवगत कराता रहेगा, और उस प्रासंगिक स्टॉक एक्सचेंज की ऐसी अनुसूचियों/प्रक्रियाओं का पालना करना ग्राहक की जिम्मेदारी होगी जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है।
15. स्टॉक ब्रोकर यह सुनिश्चित करेगा कि ग्राहक द्वारा जमा किए गए धन/प्रतिभूतियों को अलग खाते में रखा जाएगा जो उसके अपने खाते या किसी अन्य ग्राहक के खाते से अलग हो और इसे स्टॉक ब्रोकर द्वारा स्वयं के लिए या किसी अन्य ग्राहक के लिए या SEBI के नियमों, विनियमों, परिपत्रों, नोटिसों, दिशानिर्देशों और/या एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों, परिपत्रों एवं नोटिसों में उल्लिखित उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जाएगा।
16. जहां एक्सचेंज अपनी ओर से ट्रेड (ट्रेडों) को रद्द करता है तो ग्राहक की ओर से किए गए ट्रेड/ट्रेडों सहित ऐसे सभी ट्रेड स्वतः ही रद्द को जाएंगे, स्टॉक ब्रोकर ग्राहक(कों) के साथ संबंधित कांट्रैक्ट (कांट्रैक्ट्स) को रद्द करने का हकदार होगा।
17. एक्सचेंज पर निष्पादित किए गए लेनदेन नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा उन एक्सचेंजों द्वारा जारी परिपत्रों/नोटिसों के विषयाधीन हैं जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है और ऐसे ट्रेड के सभी पक्षों को उन एक्सचेंजों के उप-नियमों एवं विनियमों द्वारा निर्दिष्ट ऐसे न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र में प्रस्तुत करना होगा जहां ट्रेड को एक्सचेंजों के नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों और उसके अंतर्गत जारी परिपत्रों/नोटिसों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से निष्पादित किया जाता है।

ब्रोकरेज (दलाली)

18. ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर के लिए ब्रोकरेज एवं सांविधिक लेवी का भुगतान करना होगा जो समय समय पर प्रचलित होते हैं और जो ग्राहक के खाते, लेनदेनों एवं उन सेवाओं के लिए लागू होते हैं जिन्हें स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को प्रदान करता है। स्टॉक ब्रोकर संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के नियमों, विनियमों एवं उप-नियमों और/या SEBI के नियमों एवं विनियमों के अनुसार मान्य अधिकतम ब्रोकरेज से अधिक ब्रोकरेज प्रभारित नहीं करेगा।

स्थिति का परिसमापन एवं बंद करना (पॉजिशन का लिक्विडेशन और क्लोज़-आउट)

19. स्टॉक ब्रोकर के अन्य अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना (किसी भी मामले को मध्यस्थता के लिए भेजने के अधिकार सहित), ग्राहक समझता है कि स्टॉक ब्रोकर मार्जिन या अन्य राशियों, बकाया ऋण आदि का भुगतान न करने पर ग्राहक की स्थितियों में से एक या सभी का परिसमापन/बंद करने के लिए हकदार होगा और ग्राहक की देनदारियों/बाध्यताओं के एवज में, ऐसे परिसमापन/समाप्ति से प्राप्त आय को समायोजित करने का हकदार होगा। इस तरह के परिसमापन/समाप्ति के कारण होने वाली कोई एक और सभी हानियां एवं वित्तीय प्रभार ग्राहक द्वारा वहन किए जाएंगे।
20. ग्राहक की मृत्यु या दिवालिया होने की स्थिति में या ग्राहक द्वारा उन प्रतिभूतियों को प्राप्त करने या उनके लिए भुगतान करने या उन्हें सुपूर्द करने या स्थानांतरित करने में असमर्थ होने की घटना में जिसे उसने खरीदने या बेचने के लिए आदेश दिया है, स्टॉक ब्रोकर ग्राहक की संपत्ति के खिलाफ ग्राहक के लेनदेनों को बंद कर सकता है और हानियों का दावा कर सकता है, यदि कोई हो। ग्राहक या उसके नामिती, वारिस, उत्तराधिकारी एवं समनुदेशिनी (असाइनी) उसके परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी अधिशेष (लाभ) को प्राप्त करने के लिए हकदार होंगे। ग्राहक को ध्यान देना चाहिए कि एक नामिती के पक्ष में निधियों/प्रतिभूतियों का अंतरण कानूनी वारिस के खिलाफ स्टॉक ब्रोकर द्वारा मान्य तरीके से चुकाया जाएगा।
21. स्टॉक ब्रोकर एक ग्राहक द्वारा भुगतान/वितरण में चूक एवं संबंधित पहलुओं के बारे में जानकारी को संबंधित एक्सचेंज के संज्ञान में लाएगा। यदि दोषी ग्राहक एक निगमित इकाई/साझेदारी/स्वामित्व फर्म या कोई अन्य कृत्रिम कानूनी इकाई है तो

मामले के अनुसार निदेशक(कों)/प्रमोटर(रों)/स्वामी के नाम(मों) के बारे में भी स्टॉक ब्रोकर द्वारा संबंधित एक्सचेंज(जों) को सूचित किया जाएगा।

विवाद निपटान

22. स्टॉक ब्रोकर संबंधित एक्सचेंजों एवं SEBI के प्रासंगिक संपर्क विवरण ग्राहक को प्रदान करेगा।
23. स्टॉक ब्रोकर अपने माध्यम से किए जाने वाले सभी लेनदेनों के संबंध में और शेयरों के खराब वितरण, खराब वितरण के परिशोधन आदि के लिए आपत्तियों को हटाने के संबंध में ग्राहक की शिकायतों का निवारण करने में सहयोग करेगा।
24. ग्राहक एवं स्टॉक ब्रोकर जमा, मार्जिन धनराशि आदि के संदर्भ में किसी भी दावे और या विवादों को उन एक्सचेंजों के समय समय पर प्रभावी हो सकने वाले नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों और उसके अंतर्गत जारी परिपत्रों/नोटिसों के अनुसार मध्यस्थता के लिए प्रस्तुत करेंगे जहां ट्रेड को निष्पादित किया गया है।
25. स्टॉक ब्रोकर अपने और ग्राहक के बीच होने वाले लेनदेनों से उत्पन्न होने वाली किसी भी मध्यस्थता की कार्यवाही का त्वरित निपटान सुनिश्चित करेगा और वह इस तरह की कार्यवाही में दिए जाने वाले मध्यस्थता अधिनिर्णयों को लागू करने के लिए उत्तरदायी होगा।
26. ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर समझता है कि विवाद समाधान के लिए ग्राहक/स्टॉक-ब्रोकर के एक अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा जारी निर्देश, यदि कोई हो, कथित प्रतिनिधि को कथित ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर की ओर से सौदा करने के लिए अधिकृत करते हुए पत्र के अनुसार ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर पर लागू होंगे।

संबंध की समाप्ति

27. स्टॉक ब्रोकर और ग्राहक के बीच यह संबंध समाप्त हो जाएगा; यदि स्टॉक ब्रोकर के डिफॉल्ट, मृत्यु, इस्तीफे या निष्कासन के कारण सदस्यता की समाप्ति सहित किसी भी कारण से स्टॉक ब्रोकर शेयर बाजार का सदस्य नहीं रहता है या प्रमाण पत्र बोर्ड द्वारा रद्द कर दिया जाता है।
28. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक अन्य पक्षों को कम से कम एक महीने पूर्व लिखित सूचना देने के बाद, दूसरे पक्ष को कोई कारण बताए बिना उन दोनों के बीच संबंध समाप्त करने के हकदार होंगे। किसी भी तरह की समाप्ति के बावजूद, इस संबंध की समाप्ति से पूर्व किए गए लेनदेनों के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाले या उनसे संबंधित सभी अधिकारों, देयताओं और दायित्वों/बाध्यताओं का निर्वाह किया जाना जारी रहेगा, जो मामले के अनुसार, संबंधित पक्षों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों, वारिसों, प्रशासकों, कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकारियों पर लागू होगा।
29. सब ब्रोकर के निधन/दिवालिया होने, या बोर्ड के साथ उसका पंजीकरण रद्द होने या/स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सब-ब्रोकर की मान्यता छिनने और/या स्टॉक ब्रोकर द्वारा सब-ब्रोकर के साथ अनुबंध की समाप्ति की घटना में, किसी भी कारण के लिए ग्राहक को ऐसी समाप्ति के बारे में सूचित करना होगा और ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर का प्रत्यक्ष ग्राहक होना चाहिए और स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक को शासित करने वाले 'अधिकार एवं दायित्व' दस्तावेज(जों) में सभी उपबंध समान रूप से लागू होंगे, जब तक ग्राहक एक महीने से अधिक के लिए लिखित में एक नोटिस देकर उनके संबंध को समाप्त करने के अपने इरादे के बारे में स्टॉक ब्रोकर को सूचित नहीं करता है।

अतिरिक्त अधिकार एवं दायित्व

30. स्टॉक ब्रोकर अपने माध्यम से किए जाने वाले लेनदेनों के संबंध में लाभांशों, अधिकारों या बोनस शेयरों आदि के लिए ग्राहक के अधिकारों के संबंध में ग्राहक के लिए आवश्यक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और कुछ भी ऐसा नहीं करेगा जिससे उसके साथ ग्राहक के हितों को नुकसान पहुंचने की संभावना है और जिसके लिए उन्होंने प्रतिभूतियों में लेनदेन किया हो सकता है।
31. स्टॉक ब्रोकर और ग्राहक समय समय पर SEBI एवं उन प्रासंगिक एक्सचेंजों द्वारा जारी नियमों, विनियमों, उप-नियमों, परिपत्रों, नोटिसों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार अपने खातों का मिलान करेंगे और निपटान करेंगे जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है।

32. स्टॉक ब्रोकर अपने घटकों के लिए आदेश संख्या, ट्रेड संख्या, ट्रेड समय, ट्रेड मूल्य, ट्रेड मात्रा, डेरिवेटिव कंट्रैक्ट के विवरण, ग्राहक कोड, ब्रोकरेज, सभी लागू प्रभार आदि एवं इस तरह से तथा एक्सचेंज द्वारा निर्धारित ऐसे समय पर एवं उसमें भरने के लिए आवश्यक अन्य सभी आवश्यक विवरणों के साथ सभी लेनेदेनों के रिकार्डों सहित समय समय पर एक्सचेंज द्वारा निर्धारित ऐसे प्रारूप में निष्पादित ट्रेडों के लिए कंट्रैक्ट नोट जारी करेगा। स्टॉक ब्रोकर मुद्रित प्रति में और/या डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में ट्रेडों के निष्पादन से एक कार्य दिवस के भीतर निवेशकों को कंट्रैक्ट नोट भेजेगा।
33. स्टॉक ब्रोकर को मामले के अनुसार, उस प्रासंगिक एक्सचेंज से प्राप्त भुगतान की प्राप्ति से एक कार्य दिवस के भीतर ग्राहक को निधियों या प्रतिभूतियों की डिलीवरी के लिए भुगतान करना होगा जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है जब तक कि या तो ग्राहक द्वारा निर्दिष्ट न किया गया हो और उस एक्सचेंज द्वारा समय समय पर निर्धारित नियमों एवं शर्तों के विषयाधीन न हो।
34. स्टॉक ब्रोकर समय-समय पर उस एक्सचेंज द्वारा निर्धारित समय के भीतर ऐसी अवधि और प्रारूप में अपने ग्राहकों में से प्रत्येक के संबंध में निधियों और प्रतिभूतियों दोनों के लिए 'खाता विवरण' भेजेगा जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है। विवरण यह भी बताएगा कि ग्राहक, स्टॉक ब्रोकर से विवरण की प्राप्ति से समय समय पर, उस एक्सचेंज द्वारा निर्धारित समय के भीतर गलतियों, यदि कोई हो, की सूचना देगा जहां ट्रेड निष्पादित किया गया था।
35. स्टॉक ब्रोकर ग्राहकों के लिए दैनिक मार्जिन विवरण भेजेगा। दैनिक मार्जिन विवरण में नकदी, सावधि जमा रसीद (FDR), बैंक गारंटी एवं प्रतिभूतियों से संबंध में ब्रेक-अप के साथ अन्य बातों के साथ संपार्श्विक (कोलेटरल) जमा, प्रयुक्त संपार्श्विक एवं संपार्श्विक स्थिति (ग्राहक से प्राप्त बैलेंस/बकाया) का विवरण शामिल होना चाहिए।
36. ग्राहक यह सुनिश्चित करेगा कि उसके पास स्टॉक ब्रोकर के साथ संबंध में प्रवेश करने के लिए अपेक्षित कानूनी क्षमता है और वह ऐसा करने के लिए अधिकृत है, और वह इसके अंतर्गत अपने दायित्वों और कार्यों का प्रदर्शन करने में सक्षम है। सभी लेनदेनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले सभी आवश्यक कार्य जिनमें ग्राहक प्रवेश कर सकते हैं, इस तरह के लेनदेन में प्रवेश करने से पहले ग्राहक द्वारा पूर्ण किए जाएंगे।

इलेक्ट्रॉनिक कंट्रैक्ट नोट (ECN)

37. यदि ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में कंट्रैक्ट नोट प्राप्त करना चयन करता है तो उसे स्टॉक ब्रोकर को एक उपयुक्त ईमेल आईडी उपलब्ध करानी होगी। ग्राहक को ईमेल आईडी में किसी भी परिवर्तन से एक भौतिक पत्र के माध्यम से स्टॉक ब्रोकर को सूचित करना होगा। यदि ग्राहक ने इंटरनेट ट्रेडिंग का चयन किया है तो ईमेल आईडी के परिवर्तन के लिए अनुरोध ग्राहक विशिष्ट उपयोगकर्ता आईडी एवं पासवर्ड के तरीके से सुरक्षित पहुंच के माध्यम से किया जा सकता है।
38. स्टॉक ब्रोकर यह सुनिश्चित करेगा कि ईमेल के माध्यम से भेजे जाने वाले सभी ECN डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित, एन्क्रिप्टेड, छेड़छाड़ किए जाने से अक्षम एवं IT अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुपालन में होंगे। यदि ECN को एक अनुलग्नक के रूप में ईमेल के माध्यम से भेजा जाता है तो संलग्न फाइल भी डिजिटल हस्ताक्षर के साथ एन्क्रिप्टेड एवं छेड़छाड़ किए जाने से अक्षम रूप में सुरक्षित की जाएगी।
39. ग्राहक को ध्यान देना चाहिए कि स्टॉक ब्रोकर द्वारा बाउंस मेल सूचना प्राप्त न होने पर ग्राहक की ईमेल आईडी पर कंट्रैक्ट नोट की सुपुर्दगी सुनिश्चित होगी।
40. स्टॉक ब्रोकर IT अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुपालन में एवं समय समय पर SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्धारित मौजूदा नियमों/विनियमों/परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अनुसार एक्सचेंज द्वारा निर्धारित तरीके से सॉफ्ट एवं हार्ड किए जाने से अक्षम प्रारूप में ECN और ईमेल की पावती अपने पास रखेगा। सुपुर्दगी का साक्ष्य यानी कंट्रैक्ट नोट भेजने के समय सिस्टम द्वारा जनरेटेड लॉग रिपोर्ट, SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्दिष्ट अवधि के लिए स्टॉक ब्रोकर द्वारा रखी जाएगी। लॉग रिपोर्ट उन कंट्रैक्ट नोट्स के विवरण प्रदान करेगी जो ग्राहक को प्राप्त नहीं हुए हैं/ईमेल अस्वीकृत हुई है या वापस आ गई है। स्टॉक ब्रोकर हर बार SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्धारित समयावधि के भीतर उसके द्वारा बाउंस होने वाली ईमेलों की सूचना की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव कदम उठाएगा।

41. स्टॉक ब्रोकर ऐसे ग्राहकों के लिए भौतिक तरीके से कंट्रैक्ट नोट भेजना जारी रखेगा जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में कंट्रैक्ट नोट प्राप्त करना नहीं चुना है। जहां ECN ग्राहक तक नहीं पहुंचता है या ग्राहक की ईमेल आईडी से (ईमेल बाउंस) अस्वीकृत हो जाता है वहां स्टॉक ब्रोकर SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्धारित समय के भीतर ग्राहक को एक भौतिक कंट्रैक्ट नोट भेजेगा और इस तरह के भौतिक कंट्रैक्ट नोट्स की सुपुर्दगी का साक्ष्य बनाए रखेगा।
42. ग्राहक को ECN के ईमेल संचार के अतिरिक्त, स्टॉक ब्रोकर सुरक्षित तरीके से अपनी निर्दिष्ट वेबसाइट पर, यदि कोई हो, समान समय में ECN प्रकाशित करेगा और ग्राहकों को उस पर उपयुक्त पहुंच के लिए सक्षम करेगा और इस उद्देश्य के लिए वह ग्राहक को अनुबंध नोट को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सहेजने और प्रिंट आउट लेने के विकल्प के साथ एक अद्वितीय उपयोगकर्ता नाम एवं पासवर्ड उपलब्ध कराएगा।

कानून एवं न्यायिक क्षेत्र

43. इस दस्तावेज में वर्णित विशेषाधिकारों के अलावा, स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक किसी भी अन्य अधिकार का प्रयोग करने के लिए हकदार होंगे जो स्टॉक ब्रोकर या ग्राहक को उन एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों जिसमें ग्राहक ट्रेड करने के लिए चयन करता है, तथा SEBI के नियमों एवं विनियमों के अंतर्गत जारी किए गए परिपत्रों/नोटिसों के तहत दिया गया हो सकता है।
44. इस दस्तावेज के प्रावधान हमेशा सरकारी अधिसूचनाओं, किसी भी नियम, विनियम, दिशानिर्देश तथा SEBI द्वारा जारी परिपत्र/नोटिसों, और उन स्टॉक एक्सचेंजों के नियमों, विनियमों एवं उप-नियमों के विषयाधीन होंगे जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है, और जो समय समय पर प्रभावी हो सकते हैं।
45. स्टॉक ब्रोकर एवं ग्राहक, मध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम, 1996 के तहत मध्यस्थ(थों) द्वारा पारित किसी भी अधिनिर्णयों का पालन करने के लिए बाध्य होंगे। हालांकि यदि पार्टी मध्यस्थता अधिनिर्णय से संतुष्ट नहीं है तो स्टॉक एक्सचेंजों के भीतर अपील का प्रावधान भी है।
46. शब्द एवं तात्पर्य/भाव जिनका इस दस्तावेज में उपयोग किया गया है किंतु यहां परिभाषित नहीं है, जब तक संदर्भ के अन्यथा अपेक्षित न हो, नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा एक्सचेंजों/SEBI द्वारा उसके तहत जारी परिपत्रों/नोटिसों में दिए गए अर्थ के समान अर्थ वाला माना जाएगा।
47. स्टॉक ब्रोकर द्वारा जोड़े गए सभी अतिरिक्त स्वैच्छिक उपबंध/दस्तावेज, एक्सचेंजों/SEBI के नियमों/विनियमों/नोटिसों/परिपत्रों के उल्लंघन वाले नहीं होने चाहिए। ऐसे स्वैच्छिक उपबंधों/दस्तावेज(जों) में किसी भी परिवर्तन के लिए 15 दिन पहले सूचना दी जानी चाहिए। एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्दिष्ट अधिकारों एवं दायित्वों में किसी भी परिवर्तन के बारे में ग्राहकों को भी अवगत कराया जाएगा।
48. यदि यहां पक्षों के अधिकारों एवं दायित्वों को SEBI के नियमों एवं विनियमों या उन स्टॉक एक्सचेंजों के उप-नियमों, नियमों एवं विनियमों में बदलाव के आधार पर बदला जाता है जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है, तो ऐसे परिवर्तनों को इस दस्तावेज में उल्लिखित पक्षों के अधिकारों और दायित्वों के संशोधन में शामिल किया हुआ माना जाएगा।

स्टॉक ब्रोकरों द्वारा ग्राहक को प्रदान की गई इंटरनेट एवं वायरलेस तकनीक आधारित ट्रेडिंग सुविधा (‘अधिकार एवं दायित्व’ दस्तावेज(जो) में वर्णित सभी खंड/उपबंध लागू होंगे। इसके अलावा, इसके अंतर्गत उल्लिखित खंड/उपबंध भी लागू होंगे।)

1. स्टॉक ब्रोकर वायरलेस तकनीक के उपयोग के माध्यम से इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग (IBT) एवं प्रतिभूति ट्रेडिंग प्रदान करने के लिए प्रात्र है जिनमें मोबाइल फोन, डेटा कार्ड के साथ लैपटॉप, आदि उपकरणों का उपयोग शामिल होगा जिनमें इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) का उपयोग होता है। स्टॉक ब्रोकर SEBI और एक्सचेंजों द्वारा समय समय पर निर्दिष्ट किए गए अनुसार वायरलेस तकनीक का उपयोग करके इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग/प्रतिभूति ट्रेडिंग के लिए लागू सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा।
2. ग्राहक प्रतिभूतियों में निवेश/ट्रेडिंग करने का इच्छुक है और इस उद्देश्य के लिए ग्राहक या तो इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग सुविधा या वायरलेस तकनीक के उपयोग के माध्यम से प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए इच्छुक है। स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर की IBT सेवा प्रदान करेगा और ग्राहक स्टॉक ब्रोकर की IBT सेवा का लाभ उठाएगा जो SEBI/एक्सचेंजों के प्रावधानों और नियमों तथा स्टॉक ब्रोकर की IBT वेबसाइट पर निर्दिष्ट शर्तों के विषयाधीन है बशर्ते कि वे एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार हों।
3. स्टॉक ब्रोकर वायरलेस तकनीक/इंटरनेट/स्मार्ट आर्डर रूटिंग या किसी भी अन्य तकनीक के माध्यम से प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग से जुड़ी सुविधाओं, जोखिमों, जिम्मेदारियों, दायित्वों एवं देनदारियों के बारे में ग्राहक को अवगत कराएगा।
4. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को इसके बारे में अवगत कराएगा कि स्टॉक ब्रोकर का IBT सिस्टम प्रारंभिक पासवर्ड जनरेट करता है और इसकी पासवर्ड नीति एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार है।
5. ग्राहक उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड को गोपनीय एवं सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदार होगा और ऐसे व्यक्ति द्वारा स्थापित किए गए सभी आदेशों एवं लेनदेन के प्रति पूर्णरूपेण जिम्मेदार होगा जिसने ग्राहक के उपयोगकर्ता नाम और/या पासवर्ड का उपयोग करते हुए स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम के माध्यम से इन्हें संपन्न किया हो, चाहे वह व्यक्ति ऐसा करने के लिए अधिकृत हो या न हो। इसके अलावा ग्राहक यह भी जानता है कि आदेश रूटेड (अनुमार्गण) सिस्टम के माध्यम से वायरलेस तकनीक द्वारा इंटरनेट ट्रेडिंग/प्रतिभूति ट्रेडिंग के लिए प्रमाणीकरण तकनीकों एवं सख्त सुरक्षा मानदंडों की आवश्यकता होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाता है कि ग्राहक और या उसके अधिकृत प्रतिनिधि का पासवर्ड स्टॉक ब्रोकर के कर्मचारियों एवं डीलरों सहित किसी भी तृतीय पक्ष को पता नहीं चलता है।
6. ग्राहक इस बारे में तत्काल स्टॉक ब्रोकर को लिखित में सूचित करेगा यदि वह अपना पासवर्ड भूल जाता है, उसे स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम में सुरक्षा खामी का पता चलता है, ऐसे अनधिकृत उपयोग, तिथि, तरीके और ऐसे अनधिकृत उपयोग से प्रभावित लेनेदेनों आदि की पूरी जानकारी के साथ अपने उपयोगकर्ता नाम/पावर्ड/खाते के माध्यम से विसंगतियों/अनधिकृत उपयोग का संदेह होता है/पता चलता है।
7. ग्राहक वायरलेस तकनीक के माध्यम से इंटरनेट/प्रतिभूति ट्रेडिंग से आर्डर रूट करने के लिए सेवा का लाभ उठाने के साथ जुड़े जोखिमों के बारे में पूर्णतया अवगत है और समझता है तथा ग्राहक किसी भी प्रकार से ग्राहक के उपयोगकर्ता नाम/पासवर्ड में किए गए सभी कृत्यों के लिए पूर्णतया उत्तरदायी एवं जिम्मेदार होगा।
8. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को उसके अनुरोध पर ईमेल के माध्यम से ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण भेजेगा। ग्राहक जानता है कि ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण वेब पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया जाता है। यदि ग्राहक वायरलेस तकनीक का उपयोग करके ट्रेड कर रहा है तो स्टॉक ब्रोकर ग्राहक के उपकरण पर ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण भेजेगा।
9. ग्राहक जानता है कि इंटरनेट पर ट्रेडिंग में कई अनिश्चित कारक शामिल होते हैं तथा जटिल हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणालियां, संचार लाइनें, बाह्य उपकरण आदि रुकावटों एवं अव्यवस्थाओं के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं। स्टॉक ब्रोकर एवं एक्सचेंज इस बात का कोई निरूपण नहीं करते या गारंटी नहीं देते कि IBT सेवा बिना किसी रुकावट के हर समय ग्राहक के लिए उपलब्ध होगी।
10. ग्राहक, स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम या सेवा या एक्सचेंज की सेवा या प्रणालियों के किसी भी निलंबन, रुकावट, अनुपलब्धता या स्टॉक ब्रोकर/एक्सचेंजों के नियंत्रण से परे किसी भी कारण से ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर/एक्सचेंज पर किसी भी लिंक/प्रणाली की विफलता के कारण अपने आदेशों के निष्पादन न होने पर, एक्सचेंज या स्टॉक ब्रोकर के खिलाफ कोई दावा नहीं करेगा।

परिशिष्ट - 4

स्टॉक ब्रोकर्स, सब-ब्रोकर्स आणि अशीलाचे हक्क आणि कर्तव्ये

SEBI आणि स्टॉक एक्सचेंजेसनी विहीत केल्याप्रमाणे

1. अशील त्याच सिक्युरिटीज/करारात/इतर सलेखांमध्ये गुंतवणूक करतील ज्यांना एक्सचेंजेस/भारतीय प्रतीभूती आणि विनिमय मंडळा (SEBI)च्या नियम, उपकलमे आणि नियमनांमध्ये केलेल्या व्याख्येप्रमाणे आणि त्याखाली वेळोवेळी निर्गमित करण्यात आलेल्या परिपत्रकांनुसार/नोटीसांनुसार व्यवहारांसाठी मान्यता दिली गेली आहे.
2. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर आणि अशील एक्सचेंजेसचे नियम, उपकलमे आणि नियमने आणि त्याखाली निर्गमित केलेल्या परिपत्रकांशी/नोटीसेसशी आणि SEBIच्या नियम आणि नियमनांशी आणि वेळोवेळी अंमलात असू शकतील अशा सरकारी प्राधीकरणांच्या अधिसूचनांशी बांधील असतील.
3. अशील स्टॉक ब्रोकरच्या सिक्युरिटीज आणि/किंवा डेरिव्हेटिव्हज करारांमध्ये व्यवहार करण्याच्या क्षमतेबाबत आणि स्टॉक ब्रोकरमार्फत आदेशांची कार्यवाही करण्याची इच्छा आहे, याबाबत स्वतःचे समाधान करून घ्यावे आणि अशीलाने स्टॉक ब्रोकरच्यामार्फत आदेशांची कार्यवाही करण्यापूर्वी अशा क्षमतेबाबत स्वतःचे समाधान करून घेणे वेळोवेळी चालूच ठेवावे.
4. स्टॉक ब्रोकरने अशीलाचा अस्सलपणा आणि आर्थिक भक्कमपणाबाबत आणि पुरविण्यात येणाऱ्या सेवांशी संबंधित गुंतवणूकींच्या उद्दिष्टांबाबत सातत्याने समाधान करून घ्यावे.
5. स्टॉक ब्रोकरने अशीलाला कोणत्याही मर्यादा, दायित्वे आणि स्टॉक ब्रोकर ज्या क्षमतेत काम करतो त्यासह करावयाच्या व्यवसायासाठी स्टॉक ब्रोकरच्या दायित्वाच्या नेमक्या स्वरूपाबाबत जागरूक करावे.
6. सब-ब्रोकर आवश्यक ते सहाय्य करेल आणि स्टॉक ब्रोकरला त्याच्या अशीला(लां) शी करण्यात येणाऱ्या सर्व व्यवहारांत सहकार्य करेल.

अशीलाची माहिती

7. अशीलाने "खाते उघडण्याच्या प्रपत्रात" स्टॉक ब्रोकरला आवश्यक असलेले सर्व तपशील स्टॉक एक्सचेंजेसने/SEBIने वेळोवेळी बंधनकारक केलेल्या समर्थनार्थ कागदपत्रांसह पुरवावा.
8. अशीलाने खाते उघडण्याच्या कागदपत्रांतील सर्व बंधनकारक तरतुदींशी स्वतःला चांगले परिचित करून घ्यावे. अशीलाने स्वीकारलेल्या अटी आणि शर्तीनुसार, स्टॉक ब्रोकरने विनिर्दिष्ट केलेली कोणतीही अतिरिक्त कलमे किंवा कागदपत्रे बंधनकारक नसतील.
9. अशीलाने खाते उघडताना आणि त्यानंतर 'खाते उघडण्याच्या प्रपत्रात' पुरविलेल्या माहितीत, परिसमापन विनंती अर्ज/नादारी विनंती अर्ज किंवा त्याच्या क्षमतेवर परिणाम करणाऱ्या कोणत्याही न्यायालयीन वादासह कोणत्याही बदलांबद्दल स्टॉक ब्रोकरला ताबडतोब लेखी अधिसूचित करावे. अशीलाने नियतकालीन तत्वावर स्टॉक ब्रोकरला आर्थिक माहिती पुरवावी/अद्यतन करावी.
10. स्टॉक ब्रोकरने आणि सब-ब्रोकरने खाते उघडण्याच्या प्रपत्रात नमूद केलेल्याप्रमाणे अशीलाचा सर्व तपशील किंवा अशीलाच्या संबंधातील सर्व माहिती गोपनीय पद्धतीने राखावी आणि असे कि कोणत्याही कायदेशीर/नियामक आवश्यकतांखाली गरज असल्याशिवाय ती कोणत्याही व्यक्तीला/अधिकाऱ्याला उघड करू नये. तथापि, स्टॉक ब्रोकर त्याच्या अशीलाविषयीची माहिती कोणत्याही व्यक्तीला किंवा अधिकाऱ्याला अशीलाच्या अभिव्यक्त परवानगीने उघड करू शकेल.

मार्जीन्स

11. ज्या विभागांमध्ये अशील व्यवहार करतो त्यांना वेळोवेळी लागू असल्याप्रमाणे, स्टॉक ब्रोकरला किंवा एक्सचेंजला आवश्यक वाटतात अशा किंवा SEBIने निर्देश दिलेला असू शकेल अशा प्रारंभिक मार्जीन्स, विथहोलिंग मार्जीन्स, स्पेशल मार्जीन्स किंवा अशाच इतर मार्जीन्सचे अशील प्रदान करेल. स्टॉक ब्रोकरला संपूर्णपणे एकट्याच्या आणि निखालस स्वेच्छानिर्णयाने अतिरिक्त मार्जीन्स (जरी ती एक्सचेंजेस,

क्लिअरिंग हाउस/क्लिअरिंग कॉर्पोरेशन किंवा SEBIद्वारा आवश्यक नसतील) वसूल करण्याची परवानगी आहे आणि ठरवून दिलेल्या वेळेच्या आत अशा मार्जिन्सचे प्रदान करण्यास अशील कर्तव्यप्राप्त आहे.

12. अशीलाला हे समजते कि अशीलालाद्वारे मार्जिन्सचे प्रदान म्हणजे सर्व देयांचे संपूर्ण समाधान असे गृहित असणे आवश्यक नाही. सातत्याने मार्जिन्स प्रदान केलेली असली तरीही, त्याच्या व्यवहाराच्या व्यवहारपूर्ततेसाठी, करार आदेश देईल/गरज असेल त्याप्रमाणे अशा आणखी रकमांचे प्रदान करण्यास अशील कर्तव्यप्राप्त (किंवा प्राप्त करण्यास अधिकारी) असू शकेल.

व्यवहार आणि व्यवहारपूर्ति

13. अशील सिक्युरिटी/डेरिव्हेटिव्ह करारांच्या खरेदीसाठी किंवा विक्रीसाठी, अशील आणि स्टॉक ब्रोकर यांनी परस्परात मान्य केल्याप्रमाणे लेखी किंवा प्रपत्रातून किंवा पद्धतीने आदेश देईल. स्टॉक ब्रोकर अशीलालाच्या व्यवहाराचे आदेश देण्याची आणि त्यावर कार्यवाही केवळ त्या अशीलाला नेमून दिलेल्या युनिक क्लॉअंटे कोडमध्ये करण्याची, खात्री करेल.
14. स्टॉक ब्रोकर अशीलाला व्यवहार/व्यवहारपूर्ति चक्र, डिलीव्हरी/प्रदानाचे नियोजन, त्यातील कोणत्याही बदलांची वेळोवेळी माहिती देत राहील, आणि जिथे व्यवहाराची कार्यवाही झाली आहे त्या संबंधित स्टॉक एक्सचेंजच्या अशा नियोजनांचे/कार्यपद्धतींचे अनुपालन करणे ही पर्यायाने अशीलालाची जबाबदारी असेल.
15. स्टॉक ब्रोकर खात्री करेल कि अशीलाला जमा केलेले पैसे/सिक्युरिटीज तो त्याच्या स्वतःच्या किंवा इतर कोणत्याही अशीलालाच्या खात्यापेक्षा वेगळ्या स्वतंत्र खात्यात जमा करेल आणि SEBIचे नियम, नियमने, परिपत्रके, नोटीसेस, मार्गदर्शक तत्त्वे आणि/किंवा एक्सचेंजचे नियम, नियमने, उपकलमे, परिपत्रके आणि नोटीसेस यात नमूद केलेल्या हेतूव्यतिरिक्त त्याच्या स्वतःसाठी किंवा इतर कोणत्याही अशीलालासाठी वापरणार नाही.
16. जिथे एक्सचेंज स्वाधिकारात व्यवहार रद्द करते तेव्हा अशीलालाच्या वतीने केलेले सर्व व्यवहार वस्तुतः रद्द सिद्ध होतात. अशा वेळी स्टॉक ब्रोकर अशीलालाबरोबरचा संबंधित करार रद्द करू शकेल.
17. एक्सचेंजवर कार्यवाही केलेले व्यवहार जिथे व्यवहाराची कार्यवाही केली जाते त्या एक्सचेंजेसच्या नियमांच्या, उपकलमांच्या आणि नियमांच्या आणि त्याखाली निर्गमित केलेल्या परिपत्रकांच्या/नोटीसेसच्या अधीन असतील आणि एक्सचेंजेसचे नियम, उपकलमे आणि नियमने आणि त्याखाली निर्गमित केलेल्या परिपत्रकांना/नोटीसेसना प्रभावी करण्याच्या हेतूसाठी जिथे व्यवहाराची कार्यवाही केली जाते त्या एक्सचेंजेसच्या उपकलमांत आणि नियमांना विनिर्दिष्टीत केलेल्या न्यायालयाचा न्यायाधिकार अशा व्यवहारातील सर्व पक्षांनी मान्य केलेला असावा.

वटाव/दलाली

18. अशील स्टॉक ब्रोकरला वेळोवेळी अस्तित्वात असलेली आणि अशीलालाच्या खात्याला, व्यवहारांना आणि स्टॉक ब्रोकरने अशीलाला दिलेल्या सेवेला लागू असतील त्याप्रमाणे दलाली आणि वैधानिक कर प्रदान करेल. स्टॉक ब्रोकर संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेसचे नियम, नियमने आणि उपकलमे आणि SEBIचे नियम, नियमने यांनुसार अनुज्ञेय असलेल्या कमाल दलालीपेक्षा जास्त दलाली आकारणार नाही.

परिसमापन आणि स्थितीचे क्लोज आउट

19. स्टॉक ब्रोकरच्या इतर हक्कांना (प्रकरण लवादाकडे संदर्भित करण्याच्या हक्कांसह) बाधा न येता, अशीलाला समजते कि स्टॉक ब्रोकर मार्जिन्स किंवा इतर रकमांचे, थकित ऋणांचे वगैरे प्रदान न करण्याबद्दल अशीलालाच्या सर्व किंवा कोणत्याही स्थिती परिसमापित करण्यास / क्लोज आउट करण्यास आणि अशा परिसमापनाचे / क्लोज आउटचे उत्पन्न अशीलालाच्या, काही असल्यास, दायित्वांसमक्ष / कर्तव्यांसमक्ष समायोजित करण्यास पात्र आहे. अशा परिसमापनाच्या / क्लोज आउटच्या खाती होणारे एखादे आणि सर्व नुकसान आणि आर्थिक आकार अशीलाला लावले जातील आणि तो ते बहून करेल.
20. अशीलालाच्या मृत्यूच्या किंवा नादारीच्या प्रसंगात किंवा अशीलाला ज्या सिक्युरिटीजच्या खरेदीसाठी किंवा विक्रीसाठी आदेश दिले असतील त्या प्राप्त करण्यासाठी किंवा त्यांच्यासाठी प्रदान करण्यास किंवा त्यांची डिलीव्हरी करण्यास तो अन्यथा असमर्थ ठरल्यास, स्टॉक ब्रोकर अशीलालाचे व्यवहार क्लोज आउट करू शकेल आणि नुकसानाचा, काही असल्यास, अशीलालाच्या मालमत्तेसमक्ष दावा करू शकेल. त्यातून उत्पन्न होणाऱ्या अधिशेषासाठी अशील किंवा त्याचे नामनिर्देशिती, उत्तराधिकारी, वारस, आणि अभिहस्तांकिती पात्र असतील. अशीलाला नोंद घ्यावी कि नामनिर्देशितीच्या नावे निधी/सिक्युरिटीजचे हस्तांतरण स्टॉक ब्रोकरद्वारे कायदेशीर वारसांच्या समक्ष वैध कार्यमुक्ती असेल.

21. स्टॉक ब्रोकर एखाद्या अशीलाद्वारे प्रदानातील/डिलीव्हरीतील कसूर आणि संबंधित पैलूंच्या बाबतीतील माहिती संबंधित स्टॉक एक्सचेंजच्या नजरेला आणेल. कसूरदार अशील कॉर्पोरेट एकक / भागीदारी / मालकीच्या फर्म्स किंवा इतर कोणतेही कायदेशीर एकक असेल तर, जसे प्रकरण असेल तसे, संचालक(कां)ची / प्रवर्तक(कां)ची / भागीदार(रां)ची / मालकाचे नाव(वे) स्टॉक ब्रोकरद्वारा संबंधित स्टॉक एक्सचेंजला कळविली जातील.

विवादांची सोडवणूक

22. स्टॉक ब्रोकर अशीलाला संबंधित स्टॉक एक्सचेंजेस आणि SEBIचे संबंधित संपर्क तपशील पुरवेल.
23. स्टॉक ब्रोकर त्यांच्या मार्फत मार्गस्थ केलेल्या व्यवहारांच्या बाबतीत तक्रारींचे निराकरण करण्यात आणि शेअर्सच्या अनिष्ट प्रकारे डिलीव्हरीसाठी हरकती दूर करण्यात, अनिष्ट प्रकारे डिलीव्हरीतील चुका दुरुस्त करण्यात वगैरे सहकार्य करेल.
24. अशील आणि स्टॉक ब्रोकर ठेवी, मार्जीन मनी वगैरेंच्या बाबतीतील कोणतेही दावे आणि/किंवा विवाद जिथे व्यवहाराची कार्यवाही झाली त्या एक्सचेंजच्या नियमांप्रमाणे, उपकलमांप्रमाणे आणि नियमनांप्रमाणे आणि त्याखाली निर्गमित केलेल्या वेळोवेळी अंमलात असलेल्या परिपत्रकानुसार/नोटीसेस प्रमाणे लवादाकडे संदर्भित करतील.
25. स्टॉक ब्रोकर त्याच्या आणि अशीलाच्या समोरासमोर झालेल्या व्यवहारांतून उद्भवणाऱ्या कोणत्याही लवादाच्या कारवाईच्या जलद पूर्ततेची खात्री करेल आणि अशा कारवाईत लवादाच्या निर्णयांची अंमलबजावणी करण्यासाठी तो जबाबदार असेल.
26. अशील/स्टॉक ब्रोकर समजतात कि अशील/स्टॉक ब्रोकरच्या विवादाच्या सोडवणूकीसाठी एखाद्या अधिकृत प्रतिनिधीने निर्गमित केलेल्या सूचना, काही असतील तर, सदरहू अशील/स्टॉक ब्रोकरच्या वतीने व्यवहार करण्यासाठी सदरहू प्रतिनिधीला अधिकार देणाऱ्या पत्रानुसार त्या अशील/स्टॉक ब्रोकरवर बंधनकारक असतील.

संबंधांची समाप्ती

27. कोणत्याही कारणाने स्टॉक ब्रोकरचे स्टॉक एक्सचेंजवर सभासदत्व रद्द झाल्यास स्टॉक ब्रोकर आणि अशीलाच्या दरम्यानचे संबंध समाप्त केले जातील. ह्या कारणांत स्टॉक ब्रोकरची कसूर, मृत्यू, राजीनामा किंवा हकालपट्टी किंवा बोर्डाचे प्रमाणपत्र रद्द करणे देखील सामील आहेत.
28. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर आणि अशील अन्य पक्षांना किमान एक महिना आगाऊ लेखी नोटीस देऊन, अन्य पक्षाला कोणतेही कारण न देता त्यांच्या दरम्यानचे संबंध समाप्त करण्यास पात्र असतील. अशा कोणत्याही समाप्तीचा विचार न करता, या संबंधांच्या समाप्तीच्या पूर्वी करण्यात आलेल्या व्यवहारांतून उद्भवलेले किंवा त्या बाबतीतील सर्व हक्क, दायित्वे आणि कर्तव्ये अस्तित्वात राहतील आणि संबंधित पक्ष किंवा त्यांच्या वारसांवर, कार्यवाहकांवर, प्रशासकांवर, कायदेशीर प्रतिनिधींवर आणि उत्तराधिकाऱ्यांवर, जसे प्रकरण असेल तसे, निहीत असतील/बंधनकारक असतील.
29. सब-ब्रोकरच्या मृत्यूच्या/नादारीच्या किंवा बोर्डाकडील त्याची नोंद रद्द होण्याच्या किंवा स्टॉक एक्सचेंजद्वारे सब-ब्रोकरची मान्यता मागे घेतली जाण्याच्या आणि कोणत्याही असेल त्या कारणासाठी, स्टॉक ब्रोकरद्वारे सब-ब्रोकरबरोबरचा करार समाप्त केला जाण्याच्या प्रसंगात, अशीलाला अशा समाप्तीबाबत कळविण्यात येईल आणि अशील स्टॉक ब्रोकरचे थेट अशील असल्याचे मानले जाईल आणि अशीलाने स्टॉक ब्रोकरला एक महिन्यापेक्षा कमी नसलेली लेखी सूचना देऊन त्यांचे संबंध समाप्त करण्याचा हेतू कळविल्याशिवाय, स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर आणि अशीलाला शासित करणारी 'हक्क आणि कर्तव्ये' कागदपत्रे अंमलात असतील तशीच पुढे चालू राहतील.

अतिरिक्त हक्क आणि कर्तव्ये

30. स्टॉक ब्रोकर त्याच्या मार्फत मार्गस्थ केल्या व्यवहारांच्या संबंधातील अशीलाचे लाभांशाचे हक्क, राइट्स किंवा वोनस शेअर्स वगैरेंच्या बाबतीत यथायोग्य संरक्षण देईल आणि तो ज्या अशीलांचे सिक्युरिटीजमध्ये व्यवहार असू शकतील असा अशीलांच्या हितसंबंधांना मारक ठरू शकेल असे काहीही करणार नाही.

31. स्टॉक ब्रोकर आणि अशील SEBIने आणि जिथे व्यवहाराची कार्यवाही करण्यात आली होती त्या संबंधित एक्सचेंजने निर्गमित केलेले नियम, नियमने, उपकलमे, परिपत्रके, नोटीसेस आणि मार्गदर्शक तत्त्वे यानुसार त्यांच्या खात्यांचा वेळोवेळी ताळमेळ घालतील आणि व्यवहारपूर्ति करतील.
32. स्टॉक ब्रोकर त्याच्या घटकांना कार्यवाही केलेल्या व्यवहारांसाठी एक्सचेंजद्वारा विहीत केलेला असू शकेल अशा प्रारूपात वेळोवेळी एक कॉट्रॅक्ट नोट देईल ज्यात आदेश क्रमांक, व्यवहार क्रमांक, व्यवहाराची वेळ, व्यवहाराची किंमत, व्यवहाराची राशी, डेरिव्हेटिव्ह कराराचा तपशील, अशीलाचा कोड, दलाली, लावलेले सर्व आकार वगैरे व्यवहारांच्या सर्व नोंदी असतील आणि इतर सर्व संबंधित तपशील असतील व जो एक्सचेंजने विहीत केलेल्या पद्धतीने आणि वेळेच्या आत भरणे आणि देणे आवश्यक असेल. स्टॉक ब्रोकर व्यवहाराच्या कार्यवाहीपासून एका कार्य दिवसाच्या आत हार्ड कॉपीत आणि/किंवा डिजिटल सहीचा वापर करून इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात गुंतवणूकदाराला कॉट्रॅक्ट नोट पाठवेल.
33. स्टॉक ब्रोकर अशीलाने अन्यथा विनिर्दिष्ट केलेले असल्याशिवाय जिथे व्यवहाराची कार्यवाही करण्यात आली त्या संबंधित एक्सचेंजकडून पेआउटच्या प्राप्तीपासून एका कार्य दिवसाच्या आत, आणि जिथे व्यवहाराची कार्यवाही करण्यात आली त्या संबंधित एक्सचेंजने विहीत केलेल्या असू शकतील अशा अटी आणि शर्तीच्या अधीन, जसे प्रकरण असेल तसे, निधी पेआउट करेल किंवा सिक्युरिटीजची डिलिव्हरी देईल.
34. स्टॉक ब्रोकर जिथे व्यवहाराची कार्यवाही केली जाते त्या संबंधित एक्सचेंजद्वारा वेळोवेळी विहीत केलेला असू शकेल अशा नियतकालाने आणि प्रारूपात अशा वेळेच्या आत, त्याच्या प्रत्येक अशीलाच्या संबंधातील निधी आणि सिक्युरिटीज उभयतांचे संपूर्ण 'खाते विवरणपत्र' पाठवेल. विवरणपत्रात असेही विधान असेल कि अशील, विवरणपत्रात काही चुका असल्या तर, स्टॉक ब्रोकरकडून ते प्राप्त झाल्यापासून, जिथे व्यवहाराची कार्यवाही करण्यात आली होती त्या संबंधित एक्सचेंजद्वारे वेळोवेळी विहीत करण्यात आली असू शकेल अशा वेळेच्या आत, चुका कळवेल.
35. स्टॉक ब्रोकर डेली मार्जीन विवरणपत्र अशीलाला पाठवेल. डेली मार्जीन विवरणपत्रात इतर बाबींबरोबरच, जमा केलेले सांपाश्विक, विनियोग केलेले सांपाश्विक, आणि सांपाश्विकाची स्थिती (उपलब्ध शिल्लक/अशीलाकडून येणे) रोख, मुदत ठेव पावत्या (FDRs), बँक गॅरंटी आणि सिक्युरिटीज अशा विभागाणीसह तपशील समाविष्ट असावा.
36. अशील स्टॉक ब्रोकरबरोबर संबंध स्थापित करण्यासाठी आवश्यक ती कायदेशीर क्षमता आणि त्याला तसा अधिकार असल्याची आणि याच्या खालील त्याची कर्तव्ये आणि वचनपत्रे पार पाडण्यास तो सक्षम असल्याची खात्री करेल. अशील जे करू शकेल अशा सर्व व्यवहारांचे अनुपालन करण्याची खात्री करण्याकरिता आवश्यक असलेल्या सर्व कृती अशील असे व्यवहार करण्यापूर्वी पूर्ण करेल.

इलेक्ट्रॉनिक कॉट्रॅक्ट नोट (ECN)

37. अशीलाने इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपातील कॉट्रॅक्ट नोट प्राप्त करण्याचा पर्याय स्वीकारला, तर तो स्टॉक ब्रोकरला उचित इमेल आयडी पुरवेल. इमेल आयडी मधील कोणताही बदल अशील स्टॉक ब्रोकरला प्रत्यक्ष पत्र पाठवून कळवेल. अशीलाने इंटरनेट व्यवहाराचा पर्याय स्वीकारला असेल, तर इमेल आयडीच्या बदलाची विनंती अशीलाच्या विशिष्ट आयडी आणि पासवर्डच्या सुरक्षित ॲक्सेसमार्फत करता येऊ शकेल.
38. इमेलमार्फत पाठविलेली ECN डिजिटल सही केलेली, एन्क्रिप्टेड आणि ढवळाढवळ न करता येणारी असेल आणि आयकर अधिनियम, 2000 च्या तरतुदींचे अनुपालन करणारी असेल याची स्टॉक ब्रोकर खात्री करेल. इमेल मार्फत पाठवलेली ECN जोडपत्र म्हणून पाठवली असेल, तर जोडपत्र म्हणून पाठवलेली फाइलसुद्धा डिजिटल सही, एन्क्रिप्शन आणि ढवळाढवळ न करता येणारी करून सुरक्षित केलेली असेल.
39. अशीलाने नोंद घ्यावी कि स्टॉक ब्रोकरला बाउन्ड मेल अधिसूचना प्राप्त न होणे म्हणजे अशीलाच्या इमेल आयडीवर कॉट्रॅक्ट नोटची डिलिव्हरी झाली असा अर्थ असेल.
40. स्टॉक ब्रोकर ECNआयकर अधिनियम, 2000 चे अनुपालन करून ECN आणि इमेलची पोचपावती एक्सचेंजने विहीत केलेल्या पद्धतीने आणि SEBI/स्टॉक एक्सचेंजने वेळोवेळी निर्गमित केल्याप्रमाणे अस्तित्वात असलेले नियम/नियमने/परिपत्रके/ मार्गदर्शक तत्त्वे यानुसार सॉफ्ट आणि ढवळाढवळ न करता येण्याऱ्या स्वरूपात राखून ठेवेल. डिलिव्हरीचा पुरावा म्हणजेच कॉट्रॅक्ट नोट पाठवताना प्रणालीने निर्माण केलेले लॉग रिपोर्ट स्टॉक ब्रोकरद्वारा SEBI/स्टॉक एक्सचेंजसच्या अस्तित्वात असलेल्या नियमनांच्या अधीन विनिर्दिष्ट केलेल्या

कालावधीसाठी राखून ठेवले जातील. लॉग रिपोर्ट अशीलाला न पोचलेल्या कॉट्रॅक्ट नोटचा/फेटाळलेल्या किंवा बाउन्स बॅक झालेल्या इमेल्सचा तपशील पुरवेल. बाउन्स मेल्स अधिसूचना मिळाल्याची खात्री करण्यासाठी स्टॉक ब्रोकर नेहमी SEBIच्या/स्टॉक एक्सचेंजच्या अस्तित्वात असलेल्या नियमनांच्या अधीन ठरवून दिलेल्या वेळेच्या आत सर्व आवश्यक पावले उचलेल.

41. जे अशील कॉट्रॅक्ट नोट इलेक्ट्रॉनिक स्वरूपात प्राप्त करण्याचा पर्याय स्वीकारत नाहीत त्यांना प्रत्यक्ष पद्धतीने कॉट्रॅक्ट नोट पाठविणे स्टॉक ब्रोकर सुरू ठेवेल. जेव्हा केव्हा ECNECN अशीलाला पोचलेल्या नसतील किंवा अशीलालाच्या इमेल आयडी द्वारे फेटाळण्यात आलेल्या असतील, त्या त्या वेळी स्टॉक ब्रोकर SEBI/एक्सचेंजच्या अस्तित्वात असलेल्या नियमनांच्या अधीन ठरवून दिलेल्या वेळेच्या आत अशीलाला प्रत्यक्ष कॉट्रॅक्ट नोट पाठवेल आणि अशा प्रत्यक्ष कॉट्रॅक्ट नोटच्या डिलीव्हरीचा पुरावा राखून ठेवेल.
42. अशीलाला ECN कम्युनिकेशन व्यतिरिक्त, स्टॉक ब्रोकर त्याच वेळी त्याच्या नेमून दिलेल्या वेबसाइटवर, जर असेल, एका सुरक्षित मार्गाने ECN प्रसिद्ध करेल आणि अशीलाला संबंधित ॲक्सेस सक्षम करेल आणि ह्या हेतूर्थ, तो अशीलाला कॉट्रॅक्ट नोट इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने जतन करण्याच्या आणि/किंवा त्याची प्रिन्ट आउट काढून घेण्याच्या पर्यायासह एक विशिष्ट यूजर नेम आणि पासवर्ड प्रदान करेल.

कायदे आणि न्यायक्षेत्र

43. या दस्तऐवजात ठरवून दिलेल्या विशिष्ट हक्कांव्यतिरिक्त, स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर आणि अशील, ज्या एक्सचेंजमध्ये व्यवहार करण्याची अशील निवड करेल त्या एक्सचेंजचे नियम, उपकलमे आणि नियमने आणि त्याखाली निर्गमित करण्यात आलेली परिपत्रके/नोटीसेस किंवा SEBIचे नियम आणि नियमने यांच्या अधीन स्टॉक ब्रोकर किंवा अशीलाला असू शकतील असा इतर हक्कांचा वापर करण्यास पात्र आहेत.
44. या दस्तऐवजातील तरतूदी सदैव सरकारी अधिसूचना, SEBIने निर्गमित केलेले कोणतेही नियम, नियमने, मार्गदर्शक तत्त्वे आणि परिपत्रके/नोटीसेस आणि जिथे व्यवहारांची कार्यवाही केली जाते त्या संबंधित एक्सचेंजच्या वेळोवेळी अंमलात असू शकतील असे नियम, नियमने आणि उपकलमांच्या अधीन असतील.
45. स्टॉक ब्रोकर आणि अशील आर्बिट्रेशन अँड कन्सिलिएशन अधिनियम, 1996 खाली लवादाने दिलेल्या कोणत्याही निर्णयाचे पालन करतील. तथापि, कोणताही एक पक्ष लवादाच्या निर्णयाने समाधानी नसेल तर स्टॉक एक्सचेंजच्या आतच अपीलाची तरतूद आहे.
46. या दस्तऐवजात वापरलेल्या परंतु, यात व्याख्या न केलेल्या शब्दांचा आणि अभिव्यक्तींचा अर्थ, संदर्भानुसार अन्य असणे आवश्यक असल्याशिवाय, तोच असेल जो एक्सचेंज/SEBIचे नियम, उपकलमे, नियमने आणि त्याखाली निर्गमित करण्यात आलेल्या परिपत्रके/नोटीसेसमध्ये त्यांना ठरवून देण्यात आलेला आहे.
47. स्टॉक ब्रोकरने भर टाकलेली कोणतीही अतिरिक्त स्वेच्छेची कलमे/दस्तऐवज एक्सचेंज/SEBIचे नियम/नियमने/ नोटीसेस/परिपत्रके यांचा भंग करणारे नसावेत. अशा स्वेच्छेच्या कलमांतील/दस्तऐवजा(जां)तील कोणताही बदल 15 दिवस आधीच्या सूचनेने करण्यात यावा. एक्सचेंज/SEBIने विनिर्दिष्टीत केलेल्या हक्क आणि कर्तव्यातील कोणतेही बदलसुद्धा अशीलांच्या नजरेला आणून दिले जावेत.
48. यातील पक्षांच्या हक्कांत आणि कर्तव्यांत SEBIच्या नियमांतील आणि नियमानांतील बदलांच्या परिणामी किंवा जिथे व्यवहारांची कार्यवाही केली जाते त्या संबंधित एक्सचेंजच्या उपकलमांतील, नियमांतील आणि नियमानांतील बदलांमुळे बदलले गेले तर, असे बदल या दस्तऐवजात नमूद केलेल्या पक्षांच्या हक्कांतील आणि कर्तव्यांतील बदल म्हणून यात अंगीकृत करण्यात आले आहेत असे मानण्यात यावे.

स्टॉक ब्रोकरद्वारे अशीलाला पुरविण्यात आलेली इंटरनेट आणि वायरलेस तंत्रज्ञानावर आधारित सुविधा ('हक्क आणि कर्तव्य दस्तऐवजा(जां)त' नमूद केलेली सर्व कलमे लागू असतील. त्या व्यतिरिक्त, याठिकाणी नमूद केलेली कलमेसुद्धा लागू होतील.)

1. मोबाइल फोन, डेटा कार्ड सहित लॅपटॉप, वगैरे अशा इंटरनेट प्रोटेक्टॉल (IP) चा वापर करणाऱ्या साधनांचा समावेश असेल अशा वायरलेस तंत्रज्ञानाच्या वापरामार्फत इंटरनेट आधारित व्यवहार (IBT/IBT) आणि सिक्युरिटीजचा व्यवहार पुरविण्यास स्टॉक ब्रोकर पात्र आहे. स्टॉक ब्रोकरने SEBI आणि एक्सचेंज वेळोवेळी विनिर्दिष्टीत करू शकतील अशा वायरलेस तंत्रज्ञानाचा वापर करून इंटरनेट आधारित व्यवहारांना/सिक्युरिटीज व्यवहारांना लागू होतील अशा सर्व आवश्यकतांचे अनुपालन करावे.
2. अशील सिक्युरिटीजमध्ये गुंतवणूक करण्यास/व्यवहार करण्यास इच्छुक आहे आणि त्या हेतूर्थ, अशील एका इंटरनेट आधारित व्यवहाराच्या सुविधेचा किंवा वायरलेस तंत्रज्ञानामार्फत सिक्युरिटीजचा व्यवहार करण्याच्या सुविधेचा वापर करण्यास इच्छुक आहे. स्टॉक ब्रोकर त्याची IBT सेवा अशीलाला पुरवेल, आणि अशील SEBI/एक्सचेंजच्या तरतूदी आणि स्टॉक ब्रोकरच्या IBTवर

विनिर्दिष्ट केलेल्या अटी आणि शर्तीवर आणि त्यांच्या अधीन, जर त्या एक्सचेंजेस/SEBIने विहीत केलेल्या नियमांना अनुसरून असतील तर, स्टॉक ब्रोकरच्या IBT सेवेचा लाभ घेईल.

3. स्टॉक ब्रोकरने वायरलेस तंत्रज्ञान/इंटरनेट/स्मार्ट ऑर्डर रूटिंग किंवा इतर कोणत्याही तंत्रज्ञानामार्फत सिक्युरिटीजच्या व्यवहाराशी संबंधित वैशिष्ट्ये, जोखमी, जबाबदाऱ्या, कर्तव्ये आणि दायित्वे यांची अशीलाला जाणीव करून द्यावी.
4. स्टॉक ब्रोकरने अशीलाला जाणीव करून द्यावी कि स्टॉक ब्रोकरची IBT प्रणाली सुरवातीला स्वतःच पासवर्ड निर्माण करते आणि एक्सचेंजेस/SEBIने विहीत केलेल्या नियमांना अनुसरून ठरवून दिल्याप्रमाणे त्याचे पासवर्ड धोरण आहे.
5. यूजर नेम आणि पासवर्ड गोपनीय आणि सुरक्षित ठेवण्यासाठी अशील जबाबदार असेल आणि कोणत्याही व्यक्तीने अशीलाचे यूजर नेम आणि पासवर्ड वापरून दिलेल्या सर्व आदेशांसाठी आणि व्यवहारांसाठी अशील एकट्यानेच जबाबदार असेल, त्या व्यक्तीला तसे करण्याचा अधिकार असो वा नसो. तसेच अशीलाला जाणीव आहे कि ऑर्डर स्टेड प्रणालीमार्फत वायरलेस तंत्रज्ञानाच्या मार्गाने इंटरनेट व्यवहार/सिक्युरिटीजमधील व्यवहारांसाठी अधिकृतता तंत्रज्ञाने आणि सुरक्षा उपाय आवश्यक आहेत आणि कर्मचारी आणि स्टॉक ब्रोकरचे डीलर्स यांच्यासहित कोणत्याही तिसऱ्या पक्षाला अशीलाचा आणि/किंवा त्याच्या अधिकृत प्रतिनिधीचा पासवर्ड उघड न करण्याची खात्री करण्याचे वचन देतो.
6. अशील पासवर्ड विसरला, स्टॉक ब्रोकरच्या IBT प्रणालीत दोष आढळले, विसंगति आढळली/संशय आला, त्याच्या यूजर नेमचा आणि पासवर्डचा वापर करून अनधिकृत वापर करणाऱ्याचा संपूर्ण तपशील, तारीख, पद्धत आणि अशा अनधिकृत वापराच्या अनुषंगाने केलेले व्यवहार वगैरे स्टॉक ब्रोकरला ताबडतोब लेखी अधिसूचित करेल.
7. वायरलेस तंत्रज्ञानाच्या मार्गाने इंटरनेटवरून/सिक्युरिटीज व्यवहाराचे आदेश मार्गस्थ करण्यासाठी सेवेचा लाभ घेण्याशी संबंधित असलेल्या जोखमींची अशीलाला जाणीव आहे आणि त्या त्याला समजल्या आहेत आणि अशीलाच्या यूजरनेम/पासवर्डने कोणत्याही पद्धतीने केलेल्या कोणत्याही आणि सर्व कृतींसाठी अशील पूर्णपणे जबाबदार आणि उत्तरदायी आहे.
8. स्टॉक ब्रोकर आदेश/व्यवहाराची पुष्टी अशीलाला त्याच्या विनंतीवरून इमेलमार्फत पाठवेल. अशीलाला जाणीव आहे कि आदेश/व्यवहाराची पुष्टी वेब पोर्टलवरून पुरविण्यात आलेली आहे. अशील वायरलेस तंत्रज्ञानाचा वापर करून व्यवहार करत असेल तर, स्टॉक ब्रोकर आदेश/व्यवहाराची पुष्टी अशीलाच्या उपकरणावर पाठवेल.
9. अशीलाला जाणीव आहे कि इंटरनेट वरून व्यवहार करण्यात अनेक अनिश्चित घटक आणि क्लिष्ट हार्डवेअर, सॉफ्टवेअर, प्रणाली, संवादाच्या वाहिन्या, पेरिफेरल्स, वगैरे सामील असतात, ज्यात व्यत्यय येणे आणि ते स्थानभ्रष्ट होणे शक्य आहे. स्टॉक ब्रोकर आणि एक्सचेंज, स्टॉक ब्रोकरची IBT सेवा कोणत्याही व्यत्ययाविना अशीलाला सर्व काळ उपलब्ध असेल असे कोणतेही निवेदन करत नाहीत किंवा हमी देत नाहीत.
10. स्टॉक ब्रोकरच्या IBT प्रणालीचे कोणतेही प्रलंबन, व्यत्यय, अनुपलब्धता किंवा चुकीचे कार्य, किंवा एक्सचेंजची सेवा किंवा प्रणाली किंवा अशीलाच्या/स्टॉक ब्रोकरच्या/एक्सचेंजच्या बाजूने, स्टॉक ब्रोकर/एक्सचेंजेसच्या नियंत्रणाबाहेरील कोणत्याही कारणासाठी कोणताही दुवा/प्रणाली बंद पडण्यामुळे त्याच्या आदेशाची कार्यवाही न होणे यासाठी अशीलाचा एक्सचेंज किंवा स्टॉक ब्रोकरच्या विरोधात कोणताही दावा असणार नाही.